TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | गोकुलपुरा में बनेगा भव्य एवं दिव्य श्री गणगौर द्वार... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | शनिवार | दिनांक- 05.09.2026

आसमान में तैनात हुई भारत की रणनीतिक आंख

❍ एजेंसी, श्रीहरिकोटा।

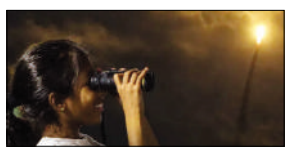

इस साल की जन्माष्टमी पर भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और पन्ना जोड़ दिया। शुक्रवार तड़के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र पर 27 घंटे से एक नए उपग्रह के प्रक्षेपण की उलटी गिनती चल रही थी। सात, छह, पांच, चार..... घड़ी की सूइयों ने 2.55 का समय बजाया और जीएसएलवी एफ-17 राकेट ने लॉन्चिंग पैड पर उड़ान भरी। 18 मिनट बाद इसने ईओएस-05 जियो-इमेजिंग सेटेलाइट को निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। इसके साथ ही इसरो ने एक नया इतिहास लिख दिया। यह देश का पहला जियो इमेजिंग सेटेलाइट है। 'आसमान की आंख' बताया जा रहा यह उपग्रह रणनीतिक डाटा देगा, रियल टाइम तस्वीरें मुहैया कराएगा, देश की सीमाओं पर 24 घंटे पैनी नजर रखेगा और चक्रवात, बाढ़ तथा जंगल की आग की सटीक जानकारी देगा। खेती और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी यह देश की मदद करेगा। असामान्य समय और बारिश भी लोगों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने के लिए पहुंचे थे। शुक्रवार को हुआ यह सफल प्रक्षेपण वर्ष 2026 के लिए अंतरिक्ष एजेंसी की पहली कामयाबी है। 12 जनवरी को साल की शुरूआत में 16 उपग्रहों को ले जा रहे पीएसएलवी-सी62 राकेट में लॉन्चिंग के तीसरे चरण में रगड़बड़ीर आ गई थी, जिसके कारण राकेट उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में स्थापित नहीं कर पाया था। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा कि जियो-इमेजिंग सेटेलाइट का जीवनकाल नौ वर्ष है। उन्होंने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि यह एक रजासूसी उपग्रहर है। कुछ दिन पहले नारायणन ने तिरुमला तिरुपति मंदिर का दौरा किया था और मिशन की सफलता के लिए भगवान वेंकटेश्वर स्वामी से प्रार्थना की थी। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने शुक्रवार को कहा कि इस कैलेंडर वर्ष में बिना चालक वाले पहले गगनयान मिशन का प्रक्षेपण करने के लिए जोरदार और व्यवस्थित तरीके से काम चल रहा है। पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का प्रक्षेपण इस वर्ष में इसरो की पहली सफलता है।

तिथि अष्टमी भाद्रपद जन्मे कृष्ण मुरार, प्रकटे आधी रात को सोये पहरेदार

मथुरा में कंस के कारागार में ही नहीं, ब्रज के घर-घर में जन्मे कन्हाई

❍ हरि मोहन रावत

मथुरा। तिथि अष्टमी भाद्रपद, जन्मे कृष्ण मुरार।
प्रकटे आधी रात को, सोये पहरेदार।।
बेडी टूटी हाथ की, खुले बंधन पांव।
प्रभु की लीला देखिये, सुंदर गोकुल गांव।।

भाद्रमास कृष्णपक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि, ग्रह नक्षत्रों का अद्भुत संयोग, भक्तों को अजन्मे कान्हा के आगमन सुखद अहसास करा रहे थे। हजारों की संख्या में श्रद्धालु श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर के अंदर थे तो उससे कई गुना ज्यादा भीड जन्मस्थान के बाहर इस बात का इंतजार कर रही थी। घडी की सूई टिकटिक कर 12 के निशान की ओर बढ रही थी। इसी गति से श्रद्धालुओं की अधीरता भी अपने चरम पर पहुंच रही थी। जो श्रद्धालु भगवत भवन के अंदर थे वह किसी तरह इस क्षण तक भागवत भवन के अंदर ही टिके रहने चाहते थे। जैसे जैसे भगवान के अवतरण बेला निकट आ रही थी भागवत भवन में भीड़ का दबाव बढ़ रहा था। सेवायत और सुरक्षाकर्मी किसी के भी पैर भागवत भवन के अंदर जमने नहीं दे रहे थे। इसी जद्दोजहद में वह अद्भुत, चमत्कारिक और आलौकिक क्षण आ गया जिसकी प्रतीक्षा पूरा विश्व कर रहा था, धीरे धीरे भागवत भवन में भगवान के श्रीविग्रह और श्रद्धालुओं के बीच दीवर बनी खादी की वह झीनी चादर खिसकने लगी, भक्त अब हिलने को तैयार नहीं थे, अचानक शंखनदा शुरू हो गया। पांच मिनट तक पूरा मंदिर परिसर शंख की सैकडों ध्वनियों से गुजायमान रहा। यह इस बात की उद्घोष था कि अजन्मे भगवान श्रीकृष्ण प्रथ्वी पर अवतरित हो चुके हैं। श्रद्धालुओं के हाथ आसमान की ओर झूल रहे थे।

इससे पहले जन्म महाभिषेक का मुख्य एवं आलौकिक कार्यक्रम रात्र करीब 11 बजे से श्रीगणेश नवग्रह आदि पूजन से शरू हुआ। जन्माष्टमी रात्रि 11 बजे सहस्त्रार्चन शुरू हुआ। रात 12.10 से 12.25 बजे तक कामधेनु स्वरूपा गऊ द्वारा ठाकुर जी का जन्माभिषेक किया गया। 12.25 से 12.40 बजे रजत कमल में विराजित ठाकुरजी का जन्म महाभिषेक और 12:45 बजे श्रृंगार आरती हुई। श्रद्धालुओं का प्रवेश रात्रि 1:30 बजे तक चला।

ब्रज के घर-घर में अवतरित हुए कान्हा

विश्व भले ही भगवान श्रीकृष्ण को गीता के महान उपदेशों के लिए जानता हो, ब्रज में तो वह पांच हजार साल बाद भी कान्हा हैं, ब्रजवासियों के लाला हैं। इसी वात्सल्य भाव से ब्रजवासी अपने भगवान की पूजा अर्चना करते हैं और इसी वात्सल्य भाव से दुलारते हैं। दुनियां ने यह भी देखा कि भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी को भगवान श्रीकृष्ण ने कंस के कारागार में जन्म लिया, लेकिन कान्हा तो हर ब्रजवासी के आंगन में अवतरित हुए।

रोशनी में नहाया नंद महल, नंदगाँव में जन्माष्टमी आज

टीएनएफ टुडे, मथुरा। नंदगांव में विश्व प्रसिद्ध नंद बाबा मंदिर में अपनी प्राचीन सनातन परंपरा के अनुसार जन्माष्टमी महोत्सव आज (शनिवार) विधिवत रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर संध्या के समयमंदिर प्रांगण में नंदगांव बरसाना के गोस्वामी जनों द्वारा संयुक्त बधाई समाज का गायन होगा और रात्रि 10:00 बजे से धी ढाढ़ी- ढाढिंन लीला का जीवंत मंचन होगा और मध्य रात्रि में 12 बजे भगवान के महा जन्म अभिषेक के बाद विशेष आरती के दर्शन होंगे।
नंदलाल के जन्मोत्सव के उपलक्ष में समूचे नंद बाबा मंदिर को दुल्हन की तरह से आकर्षक विद्युत सजावट करके सजाया गया हैं। तीन दिन तक लगातार मंदिर परिसर में ये रौनक दिखाई देगी। नंद बाबा मंदिर के सेवायत पुजारी गोपाल गोस्वामी ने बताया कि नंदगांव निवासी दान बिहारी चौधरी दानो नेता के द्वारा नंद बाबा मंदिर में 3 दिन के लिए भव्य सजावट की गई है। हाथरस से विशेष कुशल कारीगरों द्वारा मंदिर को बहुत ही भव्य

रूप से सजाया गया है
रविवार को नंद भवन में अपनी प्राचीन परंपरा के अनुसार प्रसिद्ध नंद महोत्सव संपन्न होगा। जिसमें भाढं बधाई, लड्डा का मेला, मल्ल युद्ध और शंकर लीला विशेष आयोजन होंगे।
नंद महोत्सव के अवसर पर बधाई के रूप में खूब मिठाई, पकवान, खेल खिलौने, वस्त्र आदि लुटाए जाएंगे और वहीं भगवान को छप्पन भोग भी निवेदित किए जाएंगे। नंद बाबा मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ भुवनेश गोस्वामी ने बताया कि मंदिर में आने वाले सभी भक्तों को जन्माष्टमी का विशेष पोतरा और पंजरी प्रसाद वितरित किया जाएगा।

निशु आजाद के पिता से मारपीट मामला

दिल्ली पुलिस का एक्शन, स्वतंत्र भारद्वाज बुलंदशहर से गिरफ्तार

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

जंतर-मंतर मारपीट मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। उखढ प्रदर्शन के दौरान निशु आजाद के पिता पर हमला करने के आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक, उसे उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से पकड़ा गया। समाचार एजेंसी पीटीआई ने दिल्ली पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी है।

72 घंटे में गिरफ्तारी का दिया था भरोसा

स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने सांसद चंद्रशेखर आजाद और पप्पू यादव के साथ संसद मार्ग थाने में पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडल ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने उन्हें 72 घंटे के भीतर भारद्वाज को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद शुक्रवार को पुलिस ने उसे बुलंदशहर से हिरासत में ले लिया। सीजेपी का आरोप था कि मारपीट के बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं की।

वायरल वीडियो ने बढ़ाया विवाद

मामले ने तब ज्यादा तूल पकड़ा, जब स्वतंत्र भारद्वाज के एक इंटरव्यू की वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई। इस वीडियो में वह निशु आजाद के पिता का सिर फोड़ने की बात स्वीकार करता दिखाई दिया। वीडियो सामने आने के बाद उखढ ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग तेज कर दी। संगठन ने पुलिस से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की।

एफआईआर में बढ़ सकती हैं धाराएं

सीजेपी प्रतिनिधियों के मुताबिक, पुलिस ने उन्हें एफआईआर में अतिरिक्त धाराएं जोड़ने का भरोसा दिया है। इनमें हत्या के प्रयास की धारा और एसटी/एससी एक्ट के प्रावधान शामिल हैं। पुलिस पहले ही कह चुकी थी कि स्वतंत्र भारद्वाज और दूसरे आरोपी सूरज कुमार को मौके से हिरासत में लिया गया था। दोनों से पूछताछ की गई थी और उन्हें नोटिस भी दिए गए थे। पुलिस ने मामले में चार्जशीट दाखिल करने की बात भी कही थी।

राजनीतिक कनेक्शन के दावे पर घमासान

विवाद तब और बढ़ गया, जब वायरल वीडियो में स्वतंत्र भारद्वाज कथित तौर पर राजनीतिक संपर्कों की वजह से जेल जाने से बचने का दावा करता दिखाई दिया। सीजेपी ने इस दावे को लेकर वरिष्ठ बीजेपी नेताओं से स्पष्टीकरण मांगा है। संगठन लगातार पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठा रहा था। अब बुलंदशहर से स्वतंत्र भारद्वाज को हिरासत में लिए जाने के बाद जंतर-मंतर पर हुई कथित मारपीट का मामला फिर सुर्खियों में है।

स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ एक और एफआईआरः चिराग पासवान के नाम का गलत इस्तेमाल का आरोप

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ दिल्ली के संसद थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी का आरोप है कि भारद्वाज ने सार्वजनिक रूप से केंद्रीय मंत्री और एलजेपी के अध्यक्ष चिराग पासवान का नाम लिया। पार्टी के मुताबिक, चिराग पासवान के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक संरक्षण होने का दावा करने के लिए किया गया।

पार्टी ने शिकायत में क्या कहा?

पार्टी ने आरोप लगाया है कि चिराग पासवान का नाम सार्वजनिक रूप से लेकर राजनीतिक संरक्षण का दावा किया गया। पार्टी ने पुलिस से मामले में सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। शिकायत के जरिए एलजेपी ने साफ करना चाहा है कि पार्टी का इस मामले से कोई संबंध नहीं है। इतना ही नहीं, पार्टी ने पुलिस से स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' को मिला नया प्रकाशक

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' के लिए नया प्रकाशक मिल गया है। दरअसल, पेंगुइन रैंडम हाउस के पीछे हटने के बाद अब हार्परकॉलिन्स इंडिया सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' का प्रकाशन करेगा।

प्रकाशक ने शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि प्रेम, कर्तव्य और भारत की यात्रा पर आधारित यह संस्मरण 10 नवंबर 2026 को भारत में रिलीज होगी। प्रकाशक ने शुक्रवार दोपहर एक्स पर पोस्ट कर बताया कि यह हमारे समय के सबसे बहुप्रतीक्षित राजनीतिक संस्मरणों में से एक 'बिलॉन्डिंग' प्रेम, पहचान, कर्तव्य और अपनेपन की एक नाटकीय और बेहद व्यक्तिगत कहानी है और भारत की यात्रा का एक दुर्लभ आंतरिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

पेंगुइन रैंडम हाउस ने क्यों किया इनकार?

ज्ञात हो कि पेंगुइन की अमेरिकी शाखा अल्फ्रेड ए नॉफ ने घोषणा की कि सोनिया गांधी ने यह किताब 10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज होगी। हालांकि, पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने बयान जारी कर कहा कि वह भारत में इसे छापने के लिए उत्सुक था, लेकिन किताबों में दिए गए तथ्यों की जांच करना प्रकाशक का अधिकार और जिम्मेदारी है।

जंतर-मंतर पर छात्रों पर लाठीचार्ज का मामला

जस्टिस भुइयां ने जताई चिंता, बोले- पुलिस का संयम खत्म होता दिख रहा

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने शुक्रवार को कहा कि जंतर-मंतर पर विरोध कर रहे छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस द्वारा किया गया बल प्रयोग परेशान करने वाला और गंभीर चिंता का विषय है। न्यायमूर्ति भुइयां ने पूर्व सचिव (सुरक्षा) यशोवर्धन आजाद की लिखी किताब ह्यपुलिसिंग द रिपब्लिकह्न के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि हम सभी को दुख होता है जब हम भारतीय पुलिस सेवा के युवा अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जाकर प्रदर्शनकारियों और आंदोलनकारियों पर हमला करते हुए देखते हैं। यह देखना बहुत ही दुखद है। पुलिस अधिकारियों से जिस संयम की उम्मीद की जाती है, वह किसी तरह खत्म होता दिख रहा है और यह वास्तव में गंभीर चिंता का विषय है।

जस्टिस भुइयां ने कहा कि बिना अधिक बल प्रयोग किए या मानवाधिकारों का उल्लंघन किए बिना भी प्रभावी पुलिसिंग की जा सकती है। ज्यादातर आम लोगों के लिए सड़क पर सीटी और लाठी लिए खड़ा पुलिसवाला राज्य की शक्ति और अधिकार का प्रतीक होता है। जब उन्हें लगता है कि उनके साथ गलत हुआ है तो वे पुलिस की मदद लेते हैं। इसलिए, यह बहुत जरूरी है कि पुलिस बल अपनी विश्वसनीयता बनाए रखे। ऐसा तभी किया जा सकता है जब संविधान का सख्ती से पालन किया जाए, एक सच्चे पेशेवर बल के रूप में काम किया जाए, निष्पक्षता से काम किया जाए, साहस और दृढ़ विश्वास के साथ काम किया जाए, ईमानदारी बनाए रखी जाए और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों का पालन किया जाए, जिससे कानून के शासन को बनाए रखा जा सके।

जस्टिस भुइयां ने कहा कि कानून के शासन से चलने वाले सभ्य समाज में हिरासत में मौत शायद सबसे बुरे अपराधों में से एक है। किसी भी तरह की यातना, क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक व्यवहार अनुच्छेद 29 के तहत प्रतिबंधित है, चाहे वह जांच, पूछताछ या किसी अन्य स्थिति में हो। जब सरकार के अधिकारी कानून तोड़ने वाले बन जाते हैं, तो इससे अराजकता को बढ़ावा मिल सकता है। अगर सरकार के अधिकारी ही कानून तोड़ने लगें, तो इससे कानून के प्रति अनादर पैदा होगा और अराजकता को बढ़ावा मिलेगा। कोई भी सभ्य देश ऐसा होने नहीं दे सकता।

भारत को जितनी जरूरत, उतना तेल देने को तैयारः रूस

नई दिल्ली। रूस के भारत में राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा है कि मॉस्को, नई दिल्ली की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत को जितनी जरूरत होगी, रूस उतना तेल देने के लिए तैयार है। रूसी राजदूत ने पश्चिमी देशों के उन पर लगाए गए प्रतिबंधों और टैरिफ की तीखी आलोचना की और इसे दबाव बनाने की रणनीति करार दिया।

रूसी राजदूत ने कहा, 'भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह अपने रुख पर अडिग रहने और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, भारत को जितनी भी जरूरत होगी, हम उतने तेल की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। दुर्भाग्य से प्रतिबंध और टैरिफ लगाने वाले देशों ने सहयोग की बजाय दबाव बनाने की रणनीति बनाई है। ये देश भारत को तेल के मामले में हमसे बेहतर डील नहीं दे पा रहे हैं।'

सिक्किम में 40 ग्लेशियल झीलें बनीं बड़ा खतराः 16 पर सबसे ज्यादा जोखिम

❍ एजेंसी, गंगटोक।

हिमालयी राज्यों में ग्लेशियरों के पिघलने और उनसे बन रही झीलों ने खतरे की नई घंटी बजा दी है। सिक्किम में 40 ऐसी ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिन्हें हाई-हजार्ड यानी ज्यादा खतरे वाली माना गया है। इनमें 16 झीलें सबसे ज्यादा जोखिम वाली श्रेणी में हैं। अगर इनमें से कोई झील अचानक फटती है तो नीचे बसे इलाकों में तेज पानी पहुंच सकता है और बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है।

सिक्किम में कितनी झीलें सबसे ज्यादा खतरे में हैं?

सिक्किम के अधिकारियों के अनुसार, 40 हाई-हजार्ड ग्लेशियल झीलों में 16 को कैटेगरी ए यानी सबसे ज्यादा जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। दो झीलें कैटेगरी बी यानी हाई रिस्क और नौ कैटेगरी सी यानी मध्यम से कम जोखिम वाली हैं। 13 झीलों को अभी किसी श्रेणी में नहीं रखा गया है। अधिकारियों के मुताबिक ग्लेशियल झीलें ग्लेशियरों के पिघलने से जमा हुए पानी से बनती हैं। जब पानी बहुत ज्यादा बढ़ जाता है या भूकंप जैसे कारणों से प्राकृतिक बांध टूटता है तो ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी जीएलओएफ आ सकती है।

क्या होती है ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड?

- हिमालयन रीजन में ग्लेशियर के नीचे वाले हिस्से में उसके पिघलने वाले पानी से बड़ी लेक तैयार हो जाती है
- अधिकता की वजह से कभी-कभी पानी का जमाव बाढ़ के रूप में अपनी सीमाएं तोड़ देता है

2023 में सिक्किम में क्या हुआ था?

सिक्किम पहले ही ऐसी आपदा का खामियाजा भुगत चुका है। अक्टूबर 2023 में आई ग्लेशियल झील फटने की घटना में कम से कम 60 लोगों की मौत हुई थी। मंगन, गंगटोक, पाकयोंग और नामची जिलों में भारी नुकसान हुआ था। इस आपदा में एक बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट का महत्वपूर्ण हिस्सा चुंगथांग बांध भी नष्ट हो गया था। इसी घटना ने राज्य में ग्लेशियल झीलों से जुड़े खतरे को लेकर तैयारी मजबूत करने की जरूरत साफ कर दी।

G फॉर गन्ना, J फॉर जाट... S और P को आने ही नहीं देंगेः जयंत

❍ एजेंसी, सहारनपुर।

उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों जुबानी जंग अपने चरम पर पहुंच गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा दिए गए 'चवन्नी' और 'एबीसीडी' वाले बयानों पर अब राष्ट्रीय लोकदल (RLD) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने तीखा पलटवार किया है। सहारनपुर में आयोजित एक विशाल 'स्वाभिमान रैली' के दौरान जयंत चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा और अपने अंदाज में ऐसा जवाब दिया कि राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

रैली को संबोधित करते हुए आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने अखिलेश यादव के बयानों का करारा जवाब दिया। उन्होंने मंच से बाकायदा सपा नेताओं के पुराने वीडियो चलवाते हुए कहा कि सिर्फ 'एबीसीडी' तक सीमित मत रहिए, आगे ई-एफ-जी भी आता है।

जयंत ने तंज कसते हुए कहा, ''जी फॉर गन्ना और जे फॉर जाट होता है... हम आपको जी और जे में ही ऐसा फंसा देंगे कि एस और पी (SP) तो आने ही नहीं देंगे।'' उनके इस बयान पर रैली में मौजूद समर्थकों ने जमकर तालियां बजाईं और उत्साह दिखाया।

दुश्मन बनाने की मंशा नहीं, पर चुप भी नहीं बैठेंगे

जयंत चौधरी ने स्पष्ट किया कि उनकी राजनीति किसी को व्यक्तिगत रूप से दुश्मन बनाने की नहीं है, लेकिन जब लगातार पार्टी और समर्थकों पर तंज कसे जाएंगे, तो उसका माकूल जवाब देना भी जरूरी हो जाता है। उन्होंने कहा कि आरएलडी हमेशा किसानों, मजदूरों और कमेरे वर्ग के सम्मान के लिए खड़ी रही है और किसी के भी दबाव या राजनीतिक छींटाकशी से पीछे हटने वाली नहीं है।

बीजेपी-आरएलडी गठजोड़ की तारीफ

अपने संबोधन के दौरान जयंत चौधरी ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था और हो रहे भारी-भरकम निवेश को सराहते हुए कहा कि राज्य में विकास और सुरक्षा का माहौल पूरी तरह मजबूत हुआ है। साथ ही, उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और आरएलडी के बीच आपसी सम्मान, अटूट विश्वास और समन्वय का दावा करते हुए कहा कि दोनों दल मिलकर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

इस तीखे राजनीतिक वार-पलटवार के बाद से यूपी के सियासी समीकरणों पर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

वर्दी की हनक और एक स्टेशन मास्टर की बेबसी

आगरा कैंट डीएसएस पिटाई कांड में बड़ी कार्रवाई

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर कर्तव्य पथ पर मुस्तैद एक जिम्मेदार अधिकारी की गरिमा पर जो बदनुमा दाग लगा था, अब उस पर न्याय की परतें खुलने लगी हैं। डिप्टी स्टेशन मैनेजर (डीएसएस) नरेंद्र सिंह चाहर के साथ हुई अमानवीय मारपीट के मामले में विभागीय जांच पूरी हो गई है। तीन सदस्यीय जांच समिति ने अपनी गहन पड़ताल में रेलवे सुरक्षा बल के दो सब इंस्पेक्टर मेघराज मीणा व बाल किशन और दो कांस्टेबल जितेंद्र व बदन सिंह को पूरी तरह दोषी ठहराया है। समिति की इस रिपोर्ट के बाद अब पीड़ित परिवार और रेलवे कर्मचारियों की निगाहें मुख्यालय स्तर पर होने वाली सख्त कार्रवाई पर टिक गई हैं।

वर्दी की ताकत का दुरुपयोग और न्याय की गूंज

बीती 12 जुलाई की वह काली तारीख आज भी रेलवे कर्मचारियों के जेहन में सिहरन पैदा कर देती है। एक महिला यात्री को ट्रेन में चढ़ाने के साधारण से विवाद को जिस तरह से आरपीएफ की हनक में तब्दील किया गया, उसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया था। आरोप था कि वर्दी के नशे में चूर कर्मियों ने अपने अधिकार क्षेत्र की सारी सीमाएं लांघ दीं और स्टेशन के सबसे व्यस्त प्लेटफार्म नंबर एक पर एक बुजुर्ग और निष्ठावान अधिकारी नरेंद्र सिंह चाहर के साथ बेरहमी से मारपीट की। हद तो तब पार हो गई जब उन्हें घसीटते हुए थाने तक ले जाया गया। एक ऐसा अधिकारी जो दिन-रात यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों के संचालन की चिंता में जागता है, उसे अपनों के बीच ही इस तरह बेइज्जत होते देख पूरा रेलवे महकमा सुन्न रह गया था।

जब न्याय के लिए उठी पत्नी की हुंकार और सड़कों पर फूटा गुस्सा

इस घटना ने केवल आगरा ही नहीं, बल्कि देश के करीब 30 प्रमुख शहरों के रेलकर्मियों को झकझोर कर रख दिया था। आगरा की सड़कों पर जब एक हजार से अधिक रेलकर्मी हाथों में तख्तियां लिए न्याय की मांग को लेकर उतरे, तो रेलवे प्रशासन की नींद उड़ गई थी। इस दर्दनाक और अपमानजनक घटना से टूट चुके नरेंद्र सिंह चाहर के परिवार पर जो गुजरी, उसका

जांच समिति ने दो सब इंस्पेक्टर समेत चार आरपीएफ कर्मियों को माना दोषी

अंदाजा उनकी पत्नी हरेंद्री चाहर के उन आंसुओं और हुंकार से लगाया जा सकता है, जिन्होंने साफ कह दिया था कि यदि दोषियों को सजा नहीं मिली तो यह न्याय व्यवस्था की हार होगी। एक अर्धांगिनी का वह संघर्ष और आंसू इस बात की गवाही दे रहे थे कि कैसे एक हंसता-खेलता परिवार इस मानसिक प्रताड़ना की आंधी में बिखरने से बचा था।

35 सीसीटीवी कैमरे और 32 गवाहों ने बयां किया सच

सच्चाई को छिपाना नामुमकिन होता है, और इस मामले में भी तकनीकी साक्ष्यों ने दरिंदगी की दास्तान खुद-ब-खुद कह दी। वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक कुलदीप मीना की निगरानी में बैठी तीन सदस्यीय समिति ने दूध का दूध और पानी का पानी करने के लिए स्टेशन के 35 सीसीटीवी कैमरों की एक-एक सेकंड की फुटेज को खंगाला। इसके अलावा घटना से जुड़ी महिला यात्री समेत 32 अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए गए। कैमरों में कैद वह खौफनाक मंजर और गवाहों के बयानों ने साफ कर दिया कि गलती किसकी थी। जांच रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से टिप्पणी की गई है कि आरपीएफ कर्मियों ने अपनी मयार्दा, पद और गरिमा को ताक पर रखकर तानाशाही रवैया अपनाया।

अब जबकि जांच समिति ने अपनी मुहर लगा दी है और रिपोर्ट रेलवे मुख्यालय भेजी जा चुकी है, तो यह उम्मीद बंधी है कि खाकी की आड़ में कानून को अपने हाथ में लेने वालों को उनकी सही जगह दिखाई जाएगी। नरेंद्र सिंह चाहर का संघर्ष सिर्फ एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह हर उस कर्मचारी की आत्मसम्मान की लड़ाई है जो दिन-रात अपनी जान जोखिम में डालकर देश की रफ्तार को संभाले रखता है।

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, जन्माष्टमी पर मंदिरों में सजी झांकियां

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर शुक्रवार को कस्बा फतेहाबाद सहित ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और उल्लास का माहौल रहा। घर-घर में कान्हा के जन्मोत्सव की विशेष सजावट की गई और भक्तों ने दिनभर व्रत रखकर रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की।

फतेहाबाद के हनुमान मंदिर, होलीडांडा महादेव मंदिर व बिहारी जी मंदिर में आकर्षक सजावट की गई, वहीं छोटे-छोटे बच्चों को सजाकर कान्हा जी की झांकी बनाई गई। देर रात भगवान के जन्म होते ही भक्तों ने ह्यनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्न के जयकारों के बीच पालने में लड्डू गोपाल को झुलाया। सुबह से ही घरों में माता-बहनों के द्वारा विशेष साफ-सफाई व सजावट की गई और विविध प्रकार के पकवान बनाए गए। पंचामृत, पंजीरी तथा भगवान के प्रिय व्यंजन विशेष रूप से घरों में तैयार किए गए।

कस्बा फतेहाबाद के हनुमान मंदिर, होली डांडा मंदिर समेत अन्य मंदिरों में भी विशेष कार्यक्रम हुए। मंदिरों पर शाम से ही भक्तों की भारी भीड़ जुटी रही। आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म उपरांत श्रद्धालुओं ने फलाहार कर अपना व्रत पूर्ण किया। झांकियों और भक्ति संगीत से पूरा नगर कृष्णमय हो उठा।

शाम तीन बजे से न्यू हनुमान नगर से पारंपरिक बिहारी जी का डोला निकाला गया, जो नगर में भ्रमण करते हुए शाम को अपने गंतव्य पर पहुंचा, जिसके साथ बड़ी संख्या में भक्त चल रहे थे। शाम को थाना फतेहाबाद में भी प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र के नेतृत्व में जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से दो भैंस और चार गायों की मृत्यु

पिनाहट। पिनाहट क्षेत्र के दरवाजे पर बंधी भैंस और गायों की आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने सभी का पोस्टमार्टम कराया, जिसमें मृत्यु का कारण आकाशीय बिजली गिरना बताया गया है। थाना पिढौरा क्षेत्र के गांव नगुपुरा में गुरुवार शाम करीब आठ बजे चारा खाने के बाद दरवाजे पर बंधी रामराज शर्मा की करीब एक-एक लाख रुपये की कीमत की दो भैंस और तीन गाय तथा दीवारीलाल की एक गाय की अचानक मृत्यु हो गई। जब लोगों ने दरवाजे पर इन पशुओं को मृत अवस्था में पड़ा देखा, तो हड़कंप मच गया और ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर पहुंच गई। सूचना पर पशु चिकित्सा विभाग की टीम भी गांव पहुंच गई और मृत्यु का कारण जानने का प्रयास किया। साथ ही ग्रामीण तरह-तरह की अफवाहों को भी हवा देने लगे, किंतु चिकित्सकों ने मृत पशुओं का पोस्टमार्टम किया, जिसमें सभी की मृत्यु आकाशीय बिजली गिरने से होना स्पष्ट हुआ। शुक्रवार को पशु चिकित्सा अधिकारी सुनील कुमार, विभाग की टीम और एसडीएम बाह विनोद कुमार गांव पहुंचे, जहां ग्रामीणों को पशुओं की मृत्यु का कारण आकाशीय बिजली गिरना बताया गया। इसके बाद सभी पशुओं को गड्ढे में दबाकर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। बिठौली के पूर्व प्रधान बलवीर शर्मा ने प्रशासन से पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

पिनाहट में तेज बारिश से सड़कें जलमग्न, खरीदारों को हुई परेशानी

पिनाहट। कस्बे में तेज बारिश से बाजार की मुख्य सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे खरीदारी करने आए लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार शाम करीब चार बजे कस्बे में लगभग आधे घंटे तक जोरदार बारिश हुई। बारिश के कारण बाजार की सड़कों पर जलभराव हो गया, जिससे बाजार में जन्माष्टमी की खरीदारी कर रहे लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

विश्व हिंदू परिषद की स्थापना दिवस पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

खेरागढ़। विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस पर आगरा विभाग जिला सीकरी में प्रखंड खेरागढ़ के खंड सरेड़ा के गांव गड़रपुरा में शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें विभाग सह मंत्री राहुल जोशी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में राहुल जोशी ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना कब और क्यों हुई। कार्यक्रम के अध्यक्ष विद्या भारती प्रांत कार्यकारिणी सदस्य नाहर सिंह रहे। साथ में जिला अध्यक्ष सत्येन्द्र भारद्वाज, जिला सह मंत्री रिंकू शर्मा, जिला विद्यार्थी प्रमुख विपिन, नगर अध्यक्ष जितेंद्र चौहान, प्रखंड अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह, प्रखंड मंत्री अनिल शर्मा, विनोद पाठक, प्रखंड सत्संग प्रमुख एवं अन्य कार्यकर्ता व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बृजराज के जन्मोत्सव के लिए घरों और मंदिरों में सजावट

पिनाहट। भगवान नंद नंदन के जन्मोत्सव के अवसर पर घरों से लेकर मंदिरों तक विशेष सजावट नजर आई। शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर चारों ओर उत्सव जैसा माहौल रहा। बाजारों में भगवान की पोशाक और श्रृंगार की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी। गांव-गांव में मंदिरों के साथ घरों को भी विशेष रूप से सजाया गया। कस्बा स्थित तालेश्वर मंदिर और दाऊजी मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया। जगह-जगह छोटे-छोटे बच्चों ने राधा-कृष्ण के स्वरूप धारण किए। पिनाहट और क्षेत्र के गांवों में मंदिरों में धूमधाम से जन्माष्टमी मनाई गई और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की गई।

खेरागढ़ क्षेत्र के बृथला कुंड पर जन्माष्टमी के पर्व पर दूर-दराज से लाखों श्रद्धालु पहुंचकर लगाते हैं आस्था की डुबकी

बृथला कुंड का इतिहास भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ा है

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

सैंया ब्लॉक क्षेत्र में स्थित बृथला गांव का प्राचीन औषधि कुंड आज भी धार्मिक आस्था और पौराणिक मान्यताओं का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर यहां दो दिवसीय मेले का आयोजन होता है। इस दौरान आगरा सहित आसपास के धौलपुर, मुरैना, भरतपुर के क्षेत्रों और दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बृथला कुंड में स्नान और मंदिर में दर्शन-पूजन करने पहुंचते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार बृथला कुंड में स्नान करने की प्राचीन परंपरा चली आ रही है। जन्माष्टमी पर बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं और कुंड में स्नान कर भगवान श्रीकृष्ण से सुख-स्वास्थ्य की कामना करते हैं।

लीलाविलास मंदिर के महंत बाबा राज गिरि के अनुसार इस स्थान का संबंध सतयुग की पौराणिक कथा से बताया जाता है। मान्यता है कि उस समय वृतासुर नामक राक्षस ने देवताओं के राजा इंद्र के सिंहासन पर कब्जा कर लिया था। राक्षस के अत्याचार से परेशान देवताओं ने महर्षि दधीचि से सहायता मांगी।

देवताओं की रक्षा के लिए महर्षि दधीचि ने अपनी अस्थियों का दान किया। उन्हीं अस्थियों से वज्र बनाया गया, जिसके माध्यम से इंद्र ने वृतासुर का वध किया। लेकिन राक्षस के वध के बाद इंद्र पर ब्रह्म हत्या का पाप लग गया। इस पाप से मुक्ति पाने के लिए उन्होंने बृथला में आकर सात कुंडीय हवन यज्ञ किया। इसी के बाद यह स्थान बृथला कुंड के नाम से प्रसिद्ध होने की मान्यता है।

बृथला गांव में बना प्राचीन औषधि कुंड

इरादतनगर के उमेश तिवारी एडवोकेट और बसई कलां गांव के प्रधान छेदीलाल त्यागी बताते हैं कि बृथला कुंड का नाम लीला विलास भी है। मान्यता है कि द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद जब वे मथुरा और वृंदावन में अपनी बाल लीलाएं कर रहे थे, तब वे गुप्त रूप से यहां भी आए थे। इसी कारण इस स्थान का संबंध भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से भी जोड़ा जाता है और मान्यता है कि इस कुंड में स्नान करने से शारीरिक रोगों का नाश और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है।

सुग्रीव चौहान के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनने पर हर्ष, जगह-जगह बांटी मिठाई

पिनाहट। भारतीय जनता पार्टी के नेता सुग्रीव सिंह चौहान को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर समर्थकों और युवाओं में अपार हर्ष है। समर्थकों ने बाह विधानसभा में दर्जन भर से अधिक स्थानों पर मिठाई बांटकर खुशी व्यक्त की। आगरा जिले में युवाओं के चहेते नेता कहे जाने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता और पिनाहट के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुग्रीव सिंह चौहान को भाजपा बृज क्षेत्र का क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनकी नियुक्ति से उनके समर्थक वर्ग में खासा उत्साह है। शुक्रवार को समर्थकों ने बाह विधानसभा क्षेत्र के भदरौली, स्याहीपुरा, अरनौटा और कस्बा पिनाहट सहित कई स्थानों पर मिठाई बांटकर हर्ष मनाया। कस्बा पिनाहट के नंदगांव तिराहे पर एक सौ इक्यावन किलो बूंदी के लड्डू बांटे गए।

जगनेर ग्वाल बाबा मेला कमेटी अध्यक्ष बने चंद्र शेखर शर्मा, रिंकू उपाध्याय मीडिया प्रभारी

खेरागढ़। तहसील क्षेत्र के प्रसिद्ध ग्वाल बाबा मेले की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कस्बा स्थित वाटिका में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले के सफल एवं भव्य आयोजन को लेकर विचार-विमर्श किया गया तथा सर्वसम्मति से ग्वाल बाबा मेला कमेटी का अध्यक्ष चंद्र शेखर शर्मा सरपंच देवरी को बनाया गया। इसके साथ ही राजकुमार उपाध्याय मुखिया को संरक्षक, मुकेश सरपंच को कोषाध्यक्ष, हरिओम उपाध्याय को मंत्री एवं मेला प्रभारी, राजेश उपाध्याय को ऑडिटर, छत्रपाल प्रधान को प्रबंधक, मुकेश सहारा को उपाध्यक्ष, अनिल गर्ग को उपप्रबंधक, पवन शर्मा को मंत्री, जबकि मुकेश प्रमुख, कलुआ सरपंच और केशव देव को मेला प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं रिंकू उपाध्याय को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। बैठक में मेले की व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा, साफ-सफाई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने मेले को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप देने का संकल्प लिया। इस दौरान संतोषी उपाध्याय, योगेश उपाध्याय, गुड्डू उपाध्याय, किशन भगत, छट्टन गर्ग, मुकेश गुर्जर, विश्वनाथ परमार, गजराज शर्मा एवं समिति सदस्य सहित क्षेत्रीय प्रमुख लोग मौजूद रहे।

सुग्रीव सिंह चौहान के बृज क्षेत्र भाजपा उपाध्यक्ष बनने पर समर्थकों ने किया मिष्ठान वितरण

खेरागढ़। शुक्रवार को कस्बे में सुग्रीव सिंह चौहान के बृज क्षेत्र भाजपा उपाध्यक्ष बनने पर समर्थकों ने मिष्ठान वितरण किया तथा शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया कि एक जमीनी कार्यकर्ता को संगठन में स्थान दिया, साथ ही पार्टी में इनके आने से और मजबूती मिलेगी। इस दौरान नीलू तोमर, अजय प्रताप सिंह, प्रेमपाल सिंह एडवोकेट, टिन्नी सिकरवार, अंशुल छौंकर, सत्यम सिकरवार, सुधीप कुमार, सोनू राजावत सहित सैकड़ों समर्थक उपस्थित रहे।

जिस्म बदला, पहचान बदली, फिर भी मिला धोखा

प्यार के लिए पुरुष से स्त्री तक बन गया किन्नर! दो साल तक हुआ शोषण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दुनिया में प्यार को सबसे पवित्र रिश्ता माना जाता है, लेकिन जब यही शब्द किसी शातिर इंसान के मुंह से निकलता है, तो वह अक्सर किसी मासूम की जिंदगी तबाह करने का हथियार बन जाता है। आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र से सामने आई एक किन्नर की यह कहानी रोंगटे खड़े कर देने वाली है। बाराबंकी से ताल्लुक रखने वाली इस पीड़िता की दास्तान उन तमाम फरेबी चेहरों पर तीखा प्रहार करती है जो मीठी-मीठी बातों और शादी के झूठे सपने दिखाकर किसी की भावनाओं, शरीर और कमाई तक को निचोड़ लेते हैं। यह घटना समाज के उस अंधेरे कोने को बेनकाब करती है, जहां आंख मूंदकर किया गया भरोसा जिंदगी भर का नासूर बन जाता है।

दो साल का बहलावा और होटलों में रची गई फरेब की साजिश

इस दर्दनाक कहानी की शुरूआत करीब दो साल पहले हुई थी, जब मूलरूप से बाराबंकी की रहने वाली पीड़िता की मुलाकात सिकंदरा क्षेत्र के गांव लखनपुर निवासी त्रिवेंद्र से हुई थी। आरोपी ने धीरे-धीरे अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों से उसे प्रेमजाल में उलझा लिया और पूरी जिंदगी पत्नी बनाकर रखने का भरोसा दिया। एक इंसान जब प्यार के समंदर में उतरता है, तो वह यह नहीं जानता कि जिस साहिल पर वह कदम रख रहा है, वहां सिर्फ धोखे की रेत है। आरोपी उसे शहर के अलग-अलग होटलों में ले जाता रहा और उसकी कोमल भावनाओं के साथ खिलवाड़ करता रहा।

लिंग परिवर्तन की अमानवीय शर्त और सर्जरी की आग में झुलसता शरीर

रिश्ता जब आगे बढ़ा और पीड़िता ने समाज

किन्नर से ठगी और फरेब की खौफनाक दास्तान

प्यार के झूठे जाल में फंसाकर किन्नर से लाखों की ठगी

दो साल तक अस्मत से खेलने के बाद मुकरा प्रेमी

के बीच अपनी गृहस्थी बसाने की बात कही, तो आरोपी ने एक ऐसी क्रूर और अमानवीय शर्त रख दी जिसने इंसानियत को भी शर्मसार कर दिया। आरोप है कि उस शख्स ने साफ कह दिया कि यदि वह सर्जरी करवाकर पुरुष से स्त्री नहीं बनेगी, तो वह उससे कभी शादी नहीं करेगा। प्यार में पूरी तरह अंधी हो चुकी उस बेबस आत्मा ने अपनी पहचान, अपने शरीर और अपनी तकदीर को उसी की शर्तों पर दांव पर लगा दिया। लाखों रुपये की भारी-भरकम लागत से सर्जरी कराई गई, शरीर को असहनीय पीड़ा के हवाले किया गया, सिर्फ इस उम्मीद में कि उसे उसका प्यार मिल जाएगा। इस दौरान आरोपी ने न सिर्फ उसके शरीर को छलनी किया, बल्कि उसकी मेहनत की कमाई, करीब चार लाख रुपये नकद और एक बुलेट बाइक तक हड़प ली।

जब सामने आया सच तो पैरों तले खिसक गई जमीन

सर्जरी की तमाम असहनीय तकलीफें झेलने के बाद जब पीड़िता ने अपने हक की यानी शादी की बात दोहराई, तो आरोपी अपने वादों से पूरी तरह मुकर गया। उस वक्त जो सच्चाई सामने आई, उसने पीड़िता की दुनिया ही उजाड़कर रख दी। पता चला कि जिस शख्स के लिए उसने अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया, वह पहले से ही शादीशुदा है और उसे सिर्फ इस्तेमाल कर रहा था। जब पीड़िता ने अपनी नकदी और सामान वापस मांगा, तो उसे जान से मारने की धमकियां दी जाने लगीं। अपनों से ठुकराई और धोखे की आग में जली वह बेबस आत्मा टूटकर अपने गुरु के पास बाराबंकी लौटी, जहां हिम्मत जुटाकर उसने कानूनी दरवाजा खटखटाया।

समाज के लिए खुला आईना और एक कठोर सबक

यह मार्मिक घटना आज के दौर के उन तमाम दरिंदों और फरेबी लोगों के लिए एक खुला संदेश और कड़ा तमाचा है जो भोले-भाले इंसानों को अपने जाल में फंसाकर उनका शारीरिक और आर्थिक शोषण करते हैं। यह कहानी हर उस शख्स को चेतावनी देती है कि किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा करने से पहले उसकी नीयत को जरूर परख लें। पुलिस ने आरोपी और उसकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है, लेकिन सवाल यह है कि उस टूटे हुए भरोसे और जिस्मानी जख्मों की भरपाई कौन करेगा? समाज को अब ऐसी पाखंडी मानसिकता के खिलाफ मिलकर खड़ा होना होगा, ताकि फिर कोई किसी के सपनों का इस तरह सौदा न कर सके।

चालक को नींद की झपकी आने पर कार डिवाइडर से टकराकर पलटी

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कार चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार मध्य डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिससे दंपति सहित पुत्र घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार चालक शैलेश तिवारी पुत्र सुधीर तिवारी निवासी वृंदावन कॉलोनी तेलीबाग लखनऊ अपनी पत्नी ज्योति व पुत्र अखंड तिवारी उम्र चौदह वर्ष के साथ स्कूल की छुट्टी होने के कारण आगरा व वृंदावन घूमने जा रहे थे। जैसे ही शुक्रवार की शाम तीन बजकर पचास मिनट के करीब थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे किलोमीटर 30.400 पर पहुंचे, तो कार चालक शैलेश तिवारी को नींद की झपकी आने के कारण कार अनियंत्रित होकर मध्य डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में पुत्र सहित दंपति घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया। कार चालक शैलेश तिवारी ने बताया कि वह लखनऊ में क्लीनिक चलाते हैं।

युवती को ब्लैकमेल कर ऐंठे पैसे और जेवर, सगाई तय होने पर घर में घुसकर की छेड़खानी, आरोपी पर मुकदमा दर्ज

आगरा। ताजनगरी के एत्मादद्दौला थाना क्षेत्र से ब्लैकमेलिंग और उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है। शांति विहार (गौतम नगर) की रहने वाली 23 वर्षीय युवती ने एक युवक पर निजी तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने, नगदी और जेवर ऐंठने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, युवती की सगाई तय होने के बाद आरोपी ने घर में घुसकर उससे जबरदस्ती भी की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी फराज अहमद के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

निजी तस्वीरें दिखाकर करता था ब्लैकमेल

पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि आरोपी फराज अहमद के पास उसकी कुछ निजी तस्वीरें थीं। इन्हीं तस्वीरों को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने की धमकी देकर वह लंबे समय से उसे मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था।

जेवर और नकदी हड़पी: बदनामी के डर से घबराई युवती ने कई बार आरोपी को अपनी जमापूंजी से नकद रुपये दिए। आरोप है कि दबाव इतना अधिक था कि उसे अपनी बहन के सोने के जेवर तक निकालकर आरोपी को देने पड़े। इसके बावजूद आरोपी का लालच और प्रताड़ना कम नहीं हुई।

सगाई के बाद बौखलाया आरोपी, घर में घुसा

युवती के मुताबिक, गत सात अगस्त को उसकी सगाई किसी अन्य जगह तय हो गई थी। इस बात की जानकारी मिलने पर उसने आरोपी को दो टूक कह दिया कि वह अब उससे कोई संबंध नहीं रखना चाहती।

जन्माष्टमी पर मंदिरों में रही पुलिस सुरक्षा, एसीपी ने लिया जायजा

पिनाहट। जन्माष्टमी पर्व पर मंदिरों की विशेष सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शाम के समय पुलिस ने सभी प्रमुख मंदिरों पर पुलिस बल तैनात किया, जिसका एसीपी और इंस्पेक्टर ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म महोत्सव के लिए कस्बा और आसपास के मंदिरों को शुक्रवार को बड़ी भव्यता के साथ सजाया गया। रात में होने वाले आयोजनों की सुरक्षा के लिए मंदिरों पर पुलिस बल तैनात किया गया। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए शाम करीब सात बजे एसीपी अनिल कुमार और इंस्पेक्टर वी.पी. गिरि ने सभी मंदिरों पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ भगवान का जन्मोत्सव मनाने की अपील की।

TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper

गोकुलपुरा में बनेगा भव्य और दिव्य श्री गणगौर द्वार

कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने किया भूमि पूजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

गोकुलपुरा क्षेत्र की प्राचीन धरोहर, गौरवशाली परंपरा और क्षेत्रीय पहचान के प्रतीक श्री गणगौर दरवाजा बनाने का ऐतिहासिक कार्य शुक्रवार को शुरू हो गया। डॉ. अभय यादव क्लिनिक के सामने स्थित इस ऐतिहासिक स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार और पूर्ण विधि-विधान के साथ भूमि पूजन संपन्न हुआ।

उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने कर-कमलों द्वारा इस भव्य कार्य का शिलान्यास किया। आगरा विकास प्राधिकरण की पथकर निधि से 22.29 लाख रुपए की लागत से इस द्वार को बेहद आकर्षक और दिव्य रूप में तैयार किया जाएगा। भूमि पूजन के अवसर पर पूरे गोकुलपुरा क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखा गया और क्षेत्रीय जनता ने कैबिनेट मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत व अभिनंदन किया।

सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत को अक्षुण्ण रखना हमारा संकल्प -योगेन्द्र उपाध्याय

भूमि पूजन के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा श्री गणगौर दरवाजा केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि हमारे क्षेत्र की प्राचीन धरोहर, अटूट आस्था और गौरवशाली परंपरा का जीवंत प्रतीक है। अपनी सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित व अक्षुण्ण रखना उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि इस द्वार के दिव्य और भव्य निर्माण से आने वाली पीढ़ियां अपनी

- **सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत को बनाए रखना हमारा संकल्प - योगेंद्र उपाध्याय**
- **22.29 लाख की लागत से संवरेगी ऐतिहासिक धरोहर**

गौरवशाली संस्कृति से जुड़ी रहेंगी। 22.29 लाख रुपए की लागत से बनने वाला यह नया स्वरूप गोकुलपुरा की शान में चार चांद लगाएगा। उन्होंने विकास कार्यों की गति को इसी तरह बनाए रखने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ पूजन, क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर

कार्यक्रम की शुरूआत विद्वान आचार्यों द्वारा किए गए वैदिक मंत्रोपचार के साथ हुई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मुख्य अतिथि योगेन्द्र उपाध्याय ने शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्य की आधिकारिक शुरूआत की।इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने स्थानीय निवासियों और क्षेत्रवासियों के चेहरों पर साफ तौर पर हर्ष और गर्व का भाव देखा गया। ढोल-नगाड़ों और फूलों की वर्षा के साथ क्षेत्रीय लोगों ने कैबिनेट मंत्री का स्वागत किया। स्थानीय नेताओं और गणमान्य नागरिकों ने इस भगीरथ प्रयास के लिए मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और उत्तर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, डॉ आलोकिक उपाध्याय,संरक्षक दिनेश पंडित, दाऊ दयाल पंडित, महेश चंद, रमेश चंद्र, ललित शर्मा (उपाध्यक्ष युवा मोर्चा), मनीष वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश प्रजापति, पार्षद बद्री माहौर, राजीव वर्मा, नरेश वर्मा, रिंकू वर्मा, गोविन्द वर्मा, चिंकी नरवार, कालू यादव, अंकुर ठाकुर, रवि वर्मा, आजाद फकीरा, संजय लहरी, गौरव वर्मा, आगरा विकास प्राधिकरण के अधिकारी और भारी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

राव कृष्ण पाल सिंह की 128वीं जयंती पर मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

राजा बलवंत सिंह मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस, खंदारी फार्म, आगरा में 'द राव कृष्ण पाल सिंह स्टूडेंट्स ऐड सोसाइटी' द्वारा संस्था के संरक्षक एवं महान शिक्षाविद राव कृष्ण पाल सिंह जी महाराज की 128वीं जयंती तथा वार्षिक साधारण सभा (AGM) का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बलवंत एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव एवं संस्था के संरक्षक युवराज अम्बरीष पाल सिंह ने कहा कि राव कृष्ण पाल सिंह का व्यक्तित्व कठोर अनुशासन से परिपूर्ण था। उन्होंने देश की सेना में अवैतनिक कार्य किया तथा वे जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्क एक्सपोर्ट्स आगरा के चेयरमैन नजीर अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि धन्य हैं राजा बलवंत सिंह और उनके सुपुत्र राव कृष्ण पाल सिंह, जिन्होंने शिक्षा के लिए तब इतना किया जब इस क्षेत्र में काम करने के लिए ढेरों चुनौतियां थीं।

मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

इस अवसर पर मंच पर उपस्थित अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा बलवंत एजुकेशनल सोसाइटी के अंतर्गत संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में प्रोफेसर आर.के.एस. राठौर, प्रोफेसर यू.एन. सिंह, प्रोफेसर वाई.वी.एस. चौहान, प्रोफेसर विजय श्रीवास्तव, अधिवक्ता ज्ञानेश चतुर्वेदी, प्रोफेसर सीमा भदौरिया, डॉक्टर एम.एस. चौहान, मेजर विवेक वीर सिंह, प्रोफेसर बी.एस. कुशवाहा, प्रोफेसर ब्रजेश कुमार सिंह, प्रोफेसर ए.एन. सिंह, प्रोफेसर पंकज गुप्ता, प्रोफेसर पायल गर्ग, अनीता देवी, वी.के. सिंह एवं प्रोफेसर डी.एस. यादव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सोसाइटी के सचिव प्रोफेसर डी.एस. यादव ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल एवं सफल संचालन सुप्रभा शर्मा द्वारा किया गया।

जन्माष्टमी पर बारिश ने खोले 'स्मार्ट सिटी' के दावे की पोल

पानी-पानी हुआ आगरा, बाजारों में छाई मायूसी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर कुदरत ने ऐसा कहर बरपाया कि जश्न का माहौल आफत में बदल गया। शहर में हुई झमाझम बारिश ने नगर निगम के 'स्मार्ट सिटी' के सभी दावों की पोल खोलकर रख दी। कुछ ही घंटों की बारिश से पूरा शहर जलमग्न हो गया और जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया।

पॉश कॉलोनियों में घुसा पानी, धरे रह गए निगम के दावे

तेज बारिश के कारण शहर की पॉश कॉलोनियों–कमला नगर, दयालबाग, विजय नगर, आवास विकास और शास्त्रीपुरम में हालात सबसे ज्यादा बदतर हो गए। नालियां चोक होने के कारण बारिश का पानी सड़कों से होता हुआ सीधे लोगों के घरों के अंदर तक जा घुसा।

हालात यह थे कि लोगों को अपने घरों से पानी बाहर निकालने के लिए मोटर लगानी पड़ी। इससे नगर निगम के नाला सफाई के तमाम दावे पूरी तरह कागजी साबित हुए।

बाजारों में पसरा सन्नाटा, धंधे पर पड़ा असर

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सुबह से ही बाजारों में भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। लोग भगवान श्रीकृष्ण की पोशाक, मोर पंख, मटकी और फूल बंगला सजाने का सामान खरीदने में व्यस्त थे। इसी बीच अचानक शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने सब कुछ रोक दिया।

दुकानों में शरणः लोग बारिश से बचने के लिए आसपास की दुकानों में छिपने को मजबूर हुए, जिससे देखते ही देखते बाजारों में सन्नाटा पसर गया।

लंबा जामः सड़कों पर भारी जलभराव के चलते कई प्रमुख मार्गों पर भयंकर जाम लग गया, जहां वाहन रेंग-रेंग कर चलते नजर आए।

झांकियों और अस्थाई दुकानों को भारी नुकसान

तेज बारिश ने पटरी के दुकानदारों और खुले में सजी धार्मिक झांकियों को तगड़ा झटका दिया। अस्थाई दुकानों में रखा सामान पूरी तरह भीग गया, जिसे दुकानदार तिरपाल और पॉलीथिन से बचाने की जद्दोजहद करते दिखे।

केंद्रीय हिन्दी संस्थान मार्ग (खंदारी) स्थित मंदिर के बाहर खुले में सजी झांकियां भी बारिश से प्रभावित हुईं। इसके अलावा कई अन्य पंडालों में भी पानी भर गया।

खास बातः कई वर्षों बाद ऐसा मौका आया है जब श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन इस तरह मूसलाधार बारिश देखने को मिली है, जिसने जश्न के उल्लास को फीका कर दिया।

बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव

फतेहाबाद। शुक्रवार को हुई बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम पांच बजे हुई मूसलाधार बारिश के कारण फतेहाबाद के नाले ओवरफ्लो हो गए, जिससे बस स्टैंड वाली गली में जलभराव हो गया। इससे लोगों को निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं, सरकारी बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों पर जलभराव होने से राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

माधुर्य सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था की कृष्णमय संध्या

स्वर कोकिला निशिराज जैन के भजनों पर झूमे श्रद्धालु, गूंजे राधे-कृष्ण के जयकारे

टीएनएफ टुडे, आगरा।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन पर्व पर आगरा के दयालबाग स्थित राजदीप एन्क्लेव में माधुर्य सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था के तत्वावधान में आयोजित श्रीकृष्ण भजन संध्या ने शहरवासियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और लड्डू गोपाल को झूला झुलाकर विधि-विधान से किया गया। संस्था अध्यक्ष एवं प्रख्यात स्वर कोकिला निशिराज जैन, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राजेन्द्र मिलन, डॉ. रमा वर्मा श्याम, डॉ. विजया तिवारी, प्रभुदत्त उपाध्याय और गिरधारीलाल शर्मा ने इस आध्यात्मिक आयोजन का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत श्रीगणेश किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संस्था अध्यक्ष एवं स्वर कोकिला निशिराज जैन की जादुई और मधुर आवाज रही। उन्होंने जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के भजनों की प्रस्तुति दी, पूरा सभागार भक्ति रस

में डूब गया। उनके सुरों के जादू ने उपस्थित सभी श्रोताओं को भावविभोर कर दिया और लोग सुधि-बुधि खोकर भजनों की ताल पर झूमने लगे। उनके अलावा डॉ. सुषमा सिंह, डॉ. यशोयश, डॉ. रामेन्द्र शर्मा, हरवीर परमार, आचार्य उमाशंकर पाराशर, सुधा वर्मा और विनय बंसल ने भी अपने स्वरचित भजनों व गीतों से कान्हा को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। संगीतमय प्रस्तुतियों के बीच बार-बार गूंजते राधे-कृष्ण के जयकारों और हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के उद्घोष से पूरा वातावरण पूरी तरह कृष्णमय हो गया। रेडियो आरजे नागेश शुक्ला ने अपने शानदार और ऊर्जावान अंदाज से कार्यक्रम का संचालन कर समां बांध दिया, जबकि अंत में राजकुमार जैन ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। देर रात तक चले इस आयोजन में साहित्य, संगीत और अगाध भक्ति का एक ऐसा अद्भुत संगम देखने मिला, जिसने हर किसी के मन को तृप्त कर दिया।

नोटों के लालच में गंवाए जेवर और नकदी, महिलाओं को शातिरों ने बनाया शिकार

खेरागढ़। पैसों का लालच देकर महिलाओं से सोने के जेवर और नकदी ठगने का मामला सामने आया है। शातिरों ने ऑटो में सफर कर रही महिला और उसकी रिश्तेदार को झांसे में लेकर हजारों रुपये और सोने के आभूषण हड़प लिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फतेहपुर सीकरी थाना क्षेत्र के गांव नूरपुर निवासी ज्ञानदेवी पत्नी बंटी ने पुलिस को बताया कि वह 31 अगस्त को अपने मायके कोडपुरा रजौरा कला (राजस्थान) से अपनी बुआ नेमश्री पत्नी बनेसिंह निवासी सुनहरा के साथ ससुराल लौट रही थीं। दोनों सैपऊ से बस द्वारा खेरागढ़ पहुंचीं और कागारौल जाने के लिए कागारौल चौराहे से एक हरे रंग के ऑटो में बैठ गईं।

आरोप है कि भिलावली चौराहे के पास ऑटो चालक और उसके दो साथियों ने नोटों का लालच देकर दोनों महिलाओं को अपने झांसे में ले लिया। शातिरों की बातों में आकर महिलाओं ने दो सोने की अंगूठियां, दो जोड़ी सोने के टॉप्स और छह हजार रुपये उन्हें सौंप दिए। इसके बाद आरोपी उन्हें कागारौल में उतारकर फरार हो गए। कागारौल पहुंचने के बाद ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने खेरागढ़ थाने में तहरीर दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। एसीपी सुनीता चौहान ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच के लिए टीम लगा दी गई है।

नई पीढ़ी के कहानीकारों को गढ़ने का काम करेगी कार्यशाला

होटल ग्रांड में तीन दिवसीय कहानी कार्यशाला का 7 सितंबर को होगा शुभारंभ, 8 और 9 सितंबर को होगा विभिन्न सत्रों का आयोजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध का जो आगरा हिंदी-उर्दू के नामचीन कहानीकारों का केंद्र था कैसे वह बाद के सालों में साहित्य के सन्नाटे की गोद में पसारता चला गया इसके कारणों को कोई नहीं जानता। अब लेकिन इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में शहर को कहानी का 'हब' बनाने की कोशिशें जोर-शोर से शुरू हो गयी हैं। इस दिशा में तीन दिन की एक बड़ी कहानी लेखन वर्कशॉप आगरा में होने जा रही है जिसमें देश के 6 बड़े कहानीकार पेशेवर कहानी लिखने का प्रशिक्षण देने के लिए मौजूद रहेंगे।

यह बात आज यहाँ दिल्ली से प्रकाशित होने वाली कहानी की प्रमुख पत्रिका 'कथादेश' के संपादक हरिनारायण ने कहीं। वह आज यहाँ वर्कशॉप की पूर्व वेला में आयोजित एक कार्यक्रम में पोस्टर जारी करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी 7, 8 और 9 सितम्बर को स्थानीय 'ग्रांड होटल' में होने वाली इस वर्कशॉप में जितेंद्र भाटिया (जयपुर), महेश कटारे (ग्वालियर), विभांशु दिव्याल (गाजियाबाद), सत्यनारायण (जोधपुर), योगेंद्र आहूजा (नई दिल्ली) और शक्ति प्रकाश (आगरा) जैसे नामचीन कहानीकार तथा जयप्रकाश (राजनाँदगाँव) एवं प्रियम अंकित (आगरा) जैसे हिंदी कहानी के ख्याति प्राप्त आलोचक प्रशिक्षुओं को तीन दिन का सघन प्रशिक्षण देने को मौजूद रहेंगे।

हिंदी की चर्चित कहानी पत्रिका 'कथादेश' (नयी दिल्ली) और आगरा की प्रमुख सांस्कृतिक संस्था

'रंगलीला' के संयुक्त तत्वावधान में होने वाली उक्त तीन दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन एसिड हमलों की शिकार महिलाओं का सामाजिक संगठन 'शीरोज' कर रहा है।

श्री हरिनारायण ने कहा कि एक अच्छा और पेशेवर कहानीकार बनने में कई बाधाएं आती हैं। लेखन की शुरूआत किसी व्यावहारिक गतिविधि के साथ करने से कहानी की रूपरेखा पर सोचना बहुत आसान हो जाता है। रूपरेखा के आधार पर संरचनाएं गढ़ने और पात्र जोड़ने का अभ्यास प्रशिक्षार्थी करते हैं जिससे कहानी की नींव तैयार करने का काम आसान हो जाता है।

पोस्टर रिलीज कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ संस्कृतिकर्मी अनिल शुक्ल ने कहा कि ₹वर्कशॉप को आयोजित करने का मकसद किस्सा-कहानी बुनने और गढ़ने की उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के (आगरा में जन्मे) उर्दू और हिंदी के बड़े कहानीकारों की रवायत को फिर से जिंदा करना है।₹ उन्होंने कहा कि हाल के सालों में हिन्दी कहानी साहित्य के केंद्र में बनी हुई है। हमारे शहर में उभरते हिंदी के कहानीकार बेहतरीन रचनात्मक क्षमता होने के बावजूद कहानी की इस केंद्रीय भूमिका से खुद को नहीं जोड़ पा रहे हैं। हमारी कोशिश समकालीन समय में नयी पीढ़ी के बीच कहानी के तत्व को मुख्य धारा से जोड़ने की है।

निःशुल्क वर्कशॉप

उद्घाटन ग्रांड होटल में 7 सितम्बर को अपराह्न 4 बजे वरिष्ठ कथाकार जितेंद्र भाटिया (जयपुर) करेंगे। तीन दिन की उक्त वर्कशॉप पूर्णतः निशुल्क है। इसमें प्रदान की जाने वाली अध्ययन सामग्री का भी कोई मूल्य नहीं देना होगा। केवल 2 दिन के लंच और 2 हाई टी के लिए कंसेशंड अल्प भुगतान (रु० 1000 मात्र) करना होगा।

आगरा में जन्मे नामचीन कहानीकार

जिन ख्याति प्राप्त कहानीकारों ने आगरा में जन्म लिया वे हैं लल्लू लाल जी, सुदर्शन, अमृतलाल नागर, इस्मत चुगताई , रांगेय राघव, श्रीराम शर्मा, राजेंद्र यादव, रावी और विभांशु दिव्याल,

कथाकार और लेखक अरुण डंग ने कहा कि यह वर्कशॉप प्रशिक्षणार्थियों को यह समझने में मदद करेगी कि उनमें से हर एक के पास सुनाने के लिए कहानियां तो होती हैं लेकिन वे उन्हें बुन नहीं पाते। इस वर्कशॉप में वे विशेषज्ञों के साथ मिल कर तैयार हुए वातावरण में अपने अनुभवों का अन्वेषण करेंगे और अपनी कहानियों को रचनात्मक धरातल पर उतारने का अभ्यास करेंगे।

साहित्य समीक्षक प्रो० रामवीर सिंह ने कहा कहानी की परंपरा बहुत पुरानी है। लोग कहानी कहते और सुनते आए हैं, अब इसको नए सिरे से शुरू किया जा रहा है, विशेष फोकस इसमें युवा रहेंगे।

कार्यक्रम में मौजूद उर्दू कथाकार नसरीन बेगम ने कहा कि वर्कशॉप में प्रशिक्षित अभ्यथियों को आने वाले 4 महीनों में 2 मिनी वर्कशॉपों में बुलाया जाएगा जहाँ वे अपने इस बीच के कहानी लेखन की जांच करवा सकें और खुद को और ज्यादा पैना बना सकें।

डॉ. मुनीश्वर गुप्ता ने कहा कि दादी नानी की कहानियों का दौर अब समाप्त हो जाने से नई पीढ़ी कहानी से वंचित हो गई है लेकिन स्टोरी टेलिंग और पॉडकास्ट के जरिए कहानी आगे बढ़ रही है।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में युवा कहानीकार अर्जुन सवेदिया, मीडिया प्रभारी डॉ० महेश धाकड़, प्रवक्ता अजय तोमर, रामभारत उपाध्याय, रंगकर्मी अर्निका माहेश्वरी, मनोज सिंह, कमल आदि भी मौजूद थे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

आत्म-ग्लानि का रोग और 'हीनता' की आपसी स्पर्धा

आज हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं जहाँ शांति और संतोष के मायने बदल चुके हैं। हम एक-दूसरे की टांग खींचकर, दूसरों को नीचा दिखाकर जो तसल्ली पाते हैं, उसे हमने 'शांति' का नाम दे दिया है। लेकिन सच तो यह है कि यह शांति नहीं, बल्कि हमारे भीतर पनप रहा 'आत्म-ग्लानि' नामक एक गंभीर मानसिक रोग है। चाहे कॉरपोरेट दफ्तर हो, राजनीति हो, या हमारे घर के आस-पास का माहौल–कोई भी क्षेत्र इस आपसी शक्ति स्पर्धा से अछूता नहीं है। इस अंधी दौड़ में हमारा शिकार अक्सर वह इंसान बनता है जो हमसे कमजोर स्थिति में है। वह 'मजदूर' जो हमारे समाज की नींव रखता है, अक्सर हमारी इस विकृत मानसिकता की भेंट चढ़ जाता है। हम अपनी हीनभावना को छुपाने के लिए, अपने झूठे पद और प्रतिष्ठा के घमंड में इस कदर अंधे हो जाते हैं कि बुनियादी शिष्टाचार तक भूल बैठते हैं। झूठे दम्भ का शिकार होता बुनियादी शिष्टाचारः जब कोई व्यक्ति भीतर से कमजोर या असुरक्षित महसूस करता है, तो वह अपनी 'हेठी' (बेइज्जती) से बचने के लिए एक आत्मघाती रास्ता चुनता है। वह अपने से पद, पैसे या स्थिति में छोटे व्यक्ति को व्यवहार से दबाने की कोशिश करता है। किसी मजदूर के काम में बेवजह कमियां निकालना, उसे मानसिक रूप से व्यथित करना और समाज में उसे कमतर आंकना–यह सब इसी दोयम दर्जे के व्यवहार का हिस्सा है। हम यह भूल जाते हैं किः पद और प्रतिष्ठा अस्थाई हैंः आज जो पद आपके पास है, कल वह किसी और के पास होगा। सम्मान देने से मिलता हैः जब हम किसी श्रम करने वाले का अनादर करते हैं, तो हम उसकी नहीं बल्कि अपनी खुद की परवरिश और सोच को कटघरे में खड़ा करते हैं। हर काम का अपना मूल्य हैः समाज का पहिया तभी घूमता है जब हर वर्ग अपना काम पूरी निष्ठा से करे। आत्म-ग्लानि से मुक्ति का मार्गः इस आत्म-ग्लानि और हीनता के चक्रव्यूह से निकलने का एकमात्र तरीका आत्म-मंथन है। हमें यह समझना होगा कि दूसरों को छोटा दिखाकर हम कभी बड़े नहीं बन सकते। असली ताकत दूसरों को दबाने में नहीं, बल्कि उन्हें साथ लेकर चलने और उनके श्रम का सम्मान करने में है। आइए, इस झूठे दम्भ के खोल को तोड़ें। अगली बार जब हम किसी श्रमिक, किसी कर्मचारी या अपने से छोटे पद के व्यक्ति से बात करें, तो हमारे लहजे में अहंकार की जगह कृतज्ञता और सम्मान होना चाहिए। यही इस मानसिक रोग की एकमात्र दवा है।

पत्रकारों पर नया हमला

पश्चिम बंगाल के प्रमुख बंगाली समाचार पत्र आनंदबाजार पत्रिका इस समय भाजपा और शुभेन्दु अधिकारी सरकार के निशाने पर आ गया है। मंगलवार को अखबार के दफ्तर के बाहर भगवा रंग के कपड़े पहने कुछ गुंडों ने दीवार को भगवा रंग पोत दिया और यह सब जब हो रहा था तो कोलकाता पुलिस वहीं मौजूद थी। घटना के जो वीडियो सामने आए हैं, उसमें यह गुंडागर्दी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। इस पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने लिखा है कि बंगाल अंधकार युग में चला गया है। वाकई जो माहौल इस समय बंगाल में बना दिया गया है, वह किसी अंधेरे से कम नहीं है। मई में चुनाव जीतने के बाद से भाजपा एकदम मदांध होकर व्यवहार कर रही है। टीएमसी नेताओं को तो लगातार निशाना बनाया ही जा रहा है, इसके अलावा हर उस आवाज को कुचलने की कोशिश हो रही है जो भाजपा सरकार के विरोध में उठे। 20 अगस्त को ही शुभेन्दु अधिकारी ने जादवपुर यूनिवर्सिटी में लाल सलाम किशनजी के नारे दीवारों पर लिखे होने का विरोध करते हुए कहा कि नारों के साथ बहुत कुछ मिटा देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आजादी के नारे लगाने वाले तत्वों को 'घर के कचरे की तरह साफ' कर देना चाहिए। शुभेन्दु अधिकारी के बयान के बाद ही यूनिवर्सिटी की दीवारों पर रंगाई-पुताई होने लगी और प्रशासन ने कहा कि यह सफाई करने के लिए हो रहा है। जबकि माकपा और एसएफआई जैसे संगठनों का कहना है कि यह असहमति की आवाज दबाने की कोशिश है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह कोशिश केवल यूनिवर्सिटी तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्वतंत्र पत्रकारिता को कुचलने तक पहुंच चुकी है। जादवपुर यूनिवर्सिटी में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी स्टूडेंट्स यूनियन और एबीवीपी के बीच हुई झड़पों पर आनंद बाजार पत्रिका ने भगवा गुंडागर्दी शीर्षक से खबर प्रकाशित की। इस शीर्षक पर आपत्ति जताते हुए अखबार के संपादकीय विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार 27 अगस्त को शास्त्री महाराज नामक व्यक्ति ने कोलकाता में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि 'भगवा गुंडागर्दी' शब्द का इस्तेमाल जानबूझ कर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और समाज में अशांति फैलाने के उद्देश्य से किया गया। इसके आधार पर 28 अगस्त को पुलिस ने आनंदबाजार पत्रिका के संपादकीय विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। एफआईआर में आनंदबाजार पत्रिका की संपादक ईशानी दत्ता रॉय, चीफ रिपोर्टर सोमा मुखर्जी और संपादकीय टीम के अन्य सदस्यों के नाम शामिल किए गए हैं। शिकायत में मांग की गई है कि पुलिस यह जांच करे कि विवादित शब्द का सुझाव किसने दिया, शीर्षक किसने मंजूर किया और संपादन प्रक्रिया में कौन-कौन शामिल था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन लोगों ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से यह शब्द इस्तेमाल किया। इसके बाद भगवा कपड़े पहने कई लोग मंगलवार दोपहर आनंदबाजार पत्रिका के कार्यालय के बाहर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने 'आनंदबाजार पत्रिका हाय-हाय' और 'भगवा का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगा' जैसे नारे लगाए। इसके बाद उन्होंने अखबार दफ्तर की दीवारों पर भगवा रंग पोत दिया। हालांकि कुछ घंटों बाद अखबार प्रबंधन ने दीवारों को दोबारा सफेद रंग से रंगवा दिया।

-अनाम

श्रीकृष्णः प्रकृति के रक्षक और यमुना के प्रियतम

बृज खंडेलवाल द्वारा

देशभर में आज जन्माष्टमी की धूम है। मंदिर रोशनी से जगमगा रहे हैं। गलियां सज रही हैं। घंटियां बज रही हैं और भक्त आधी रात को भगवान कृष्ण के जन्म का इंतजार कर रहे हैं।

मथुरा और वृंदावन से लेकर द्वारका, मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद और देश के छोटे-बड़े शहरों तक जन्माष्टमी आस्था का सबसे बड़ा उत्सव बन चुकी है। कहीं रासलीला हो रही है, कहीं झांकियां सज रही हैं और कहीं दही-हांडी के लिए मानव पिरामिड बनाए जा रहे हैं। लेकिन इस उत्सव के बीच एक सवाल हमें जरूर पूछना चाहिए।

अगर कृष्ण आज हमारे बीच होते, तो नदियों, जंगलों, पहाड़ों और पशुओं की हालत देखकर क्या सोचते?

कृष्ण केवल मंदिरों में विराजमान देवता नहीं थे। उनका बचपन जंगलों, गायों, बछड़ों, पक्षियों, पेड़ों, पहाड़ों और नदियों के बीच बीता। उनका जीवन हमें बताता है कि प्रकृति कोई सामान नहीं है, जिसे मनुष्य अपनी सुविधा के लिए इस्तेमाल करे। प्रकृति हमारे जीवन और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है।

कृष्ण और ब्रज की जीवंत प्रकृति

''वृंदावन कृष्ण की बाल लीलाओं की केवल पृष्ठभूमि नहीं था। वहां पेड़, पक्षी, गाय, नदी और मनुष्य एक ही परिवार का हिस्सा थे।''

यह कहना है आगरा के श्री मथुराधीश मंदिर के गोस्वामी नंदन श्रोत्रिय का।

कृष्ण और कदंब का रिश्ता आज भी ब्रज की कल्पना का हिस्सा है। कहा जाता है कि कदंब के पेड़ की छांव में कृष्ण की बांसुरी गूंजती थी। उनके साथ केवल ग्वाल-बाल और गोपियां ही नहीं थीं। गाय, बछड़े, पक्षी और पूरा प्राकृतिक संसार उनकी दुनिया का हिस्सा थे।

फिर आता है गोवर्धन पर्वत का प्रसंग। जब ब्रज पर मूसलाधार बारिश का संकट आया, तो कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर लोगों और पशुओं को आश्रय दिया। इस कथा को हम धार्मिक दृष्टि से देखें या प्रतीक के रूप में, इसका पर्यावरणीय संदेश बहुत स्पष्ट है।

पर्यावरणविद् डॉ. देवाशीष भट्टाचार्य के अनुसार, गोवर्धन केवल एक पहाड़ नहीं था। वह जंगल, जल, चारा, भोजन और पूरे समुदाय की सुरक्षा का प्रतीक था।

कृष्ण का संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है, मनुष्य का जीवन प्रकृति की सुरक्षा पर निर्भर है।

कृष्ण और यमुना का रिश्ता

कृष्ण की कहानी में यमुना का स्थान सबसे खास है। रिवर कनेक्ट अभियान से जुड़ी पद्मिनी अय्यर कहती हैं, ''कृष्ण का यमुना से रिश्ता बहुत गहरा था। वसुदेव उन्हें शिशु अवस्था में यमुना पार कराकर गोकुल ले गए। कृष्ण ने यमुना के किनारे खेला और कालिया नाग का सामना भी यमुना में ही किया।''

कृष्ण की कथा में यमुना केवल पानी की धारा नहीं है। वह एक जीवंत पात्र है।

लेकिन आज यही यमुना मथुरा, वृंदावन और आगरा से गुजरते हुए गंदे नालों, सीवर और प्रदूषण का बोझ ढो रही है। करोड़ों लोग कृष्ण का नाम लेते हैं, लेकिन उनकी प्रिय नदी लगातार मर रही है।

आगरा में यह विडंबना और भी बड़ी है। यमुना विश्व प्रसिद्ध ताजमहल के सामने से गुजरती है। एक ओर दुनिया का सबसे सुंदर स्मारक है और दूसरी ओर उसकी जीवनरेखा प्रदूषण से जूझ रही है।

यमुना भक्त चतुर्भुज तिवारी कहते हैं कि नदी को वह सम्मान नहीं मिल रहा, जिसकी वह हकदार है।

आईएमए अध्यक्ष डॉ. हरेंद्र गुप्ता सवाल करते हैं, ''क्या हम कृष्ण के भक्त कहलाकर उनकी प्रिय यमुना को नाले में बदल सकते हैं?''

मथुरा में भव्य जन्माष्टमी

4 सितंबर को जन्माष्टमी मनाई जा रही है और आधी रात के बाद तक कृष्ण

जन्मोत्सव चलेगा।

मथुरा में इस बार विशेष उत्साह है। हजारों श्रद्धालु मथुरा-वृंदावन पहुंच रहे हैं। कृष्ण जन्मभूमि पर आधी रात को विशेष पूजा होगी। ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने कृष्ण के जीवन और जन्म को दर्शाने वाले 500 ड्रोन का विशेष कार्यक्रम भी तैयार किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 3 सितंबर को मथुरा का दौरा किया। उन्होंने स्वामी हरिदास सभागार और कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने यह भी कहा कि विकास के साथ सांस्कृतिक विरासत की रक्षा जरूरी है। यह बात ब्रज के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ब्रज का विकास केवल चौड़ी सड़कों और ज्यादा पर्यटकों से नहीं हो सकता। अगर मथुरा की पहचान कृष्ण हैं, तो उसकी यमुना, कुंड, गोवर्धन, वन, गाय और पुराने घाट भी उसी विरासत का हिस्सा हैं। कृष्ण के पोस्टरों से सजा कंक्रीट का जंगल ब्रज नहीं हो सकता। ब्रज इतना सुंदर रहना चाहिए कि कृष्ण खुद उसे पहचान सकें।

द्वारका से पूरे भारत तक

दूर गुजरात में द्वारका भी जन्माष्टमी के लिए तैयार है। इस वर्ष पांच दिन के उत्सव में लगभग सात लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। द्वारकाधीश मंदिर में आधी रात की पूजा के लिए बड़ी संख्या में भक्त जुटेंगे।

मथुरा और द्वारका कृष्ण के जीवन के दो अलग-अलग पड़ाव हैं। एक ओर ब्रज की नदी, जंगल और गांव हैं। दूसरी ओर समुद्र के किनारे बसी द्वारका है। कृष्ण हमें नदी से लेकर समुद्र तक और गांव से लेकर शहर तक जोड़ते हैं। महाराष्ट्र में दही-हांडी उत्सव सड़कों को उत्सव के मैदान में बदल देता है। मुंबई के गोविंदा दल मानव पिरामिड बनाकर कृष्ण की माखन चोरी की लीला को रोमांचक रूप देते हैं।

दिल्ली, लखनऊ, बंगाल, गुजरात और देश के अनेक हिस्सों में मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष कार्यक्रम हो रहे हैं। कहीं कृष्ण लीला है, कहीं रासलीला और कहीं शास्त्रीय नृत्य।

लेकिन कृष्ण की प्रकृति से जुड़ी विरासत ब्रज में सबसे ज्यादा महसूस होती है।

गायों से कृष्ण का रिश्ता

कृष्ण को गोपाल और गोविंद कहा गया। गाय उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा थीं।

वृंदावन टुडे के मुख्य संपादक और फ्रेंड्स ऑफ वृंदावन के संयोजक जगन्नाथ पोद्दार कहते हैं कि ब्रज में गाय केवल आर्थिक संपत्ति नहीं थी। वह परिवार और धार्मिक जीवन का हिस्सा थी।

आज स्थिति बदल गई है।

हम गाय की पूजा तो करते हैं, लेकिन उसके भोजन और स्वास्थ्य की चिंता कम करते हैं। प्लास्टिक, कचरा और गंदा पानी पशुओं के जीवन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह कैसी भक्ति है, जिसमें भगवान का नाम तो है, लेकिन उनकी प्रिय गायों की चिंता नहीं?

गीता का संदेश और आज की दुनिया

भगवद्गीता में जलवायु परिवर्तन या जैव विविधता जैसे आधुनिक शब्द नहीं मिलते। फिर भी कृष्ण का दर्शन मनुष्य और प्रकृति के गहरे संबंध की बात करता है।

गीता में कृष्ण पृथ्वी की सुगंध और सभी जीवों में जीवन को अपनी ही अभिव्यक्ति बताते हैं। एक पत्ता, फूल, फल या जल भी सच्ची श्रद्धा से अर्पित किया जाए तो उसका महत्व है।

गीता का संदेश आज भी साफ है, प्रकृति को नष्ट करके मनुष्य सुखी नहीं रह सकता।

इस जन्माष्टमी कुछ बदलें

हम हजारों दीप जला सकते हैं। विशाल झांकियां निकाल सकते हैं। भव्य जुलूस कर सकते हैं। पूरी रात ह्लराधे-राधेह्व और 'जय श्रीकृष्ण' का जयघोष कर सकते हैं।

लेकिन अगर यमुना मरती रही, तो हमारी भक्ति अधूरी रहेगी।

ब्रज में कृष्ण की विरासत बचाने का अर्थ है, यमुना को साफ करना, गोवर्धन की प्रकृति बचाना, पुराने कुंडों को पुनर्जीवित करना, पवित्र उपवनों की रक्षा करना और गायों की बेहतर देखभाल करना। आगरा में इसका अर्थ है ताजमहल के सामने बहती यमुना को फिर जीवित नदी बनाना। मथुरा और वृंदावन में तीर्थयात्रा के साथ पर्यावरण की जिम्मेदारी जोड़नी होगी।

देशभर के मंदिर भी पहल कर सकते हैं। हर जन्माष्टमी पर एक पेड़ लगाया जा सकता है। कोई तालाब साफ किया जा सकता है। प्लास्टिक कम किया जा सकता है। पशु कल्याण के लिए सहयोग किया जा सकता है।

यही भक्ति को कर्म में बदलना होगा।

कृष्ण हमारे लिए राधा के प्रियतम हैं। वे यशोदा के नटखट कन्हैया हैं। वे गोपाल हैं, गोविंद हैं, कालिया के संहारक हैं और गोवर्धन उठाने वाले हैं। वे अर्जुन के सारथी और गीता के महान उपदेशक भी हैं।

शिक्षक दिवस पर नमनः आजादी बंदूक से नहीं ज्ञान से मिलेगी

टीएनएफ व्यूरो टीम

चम्बल की वादियों और आगरा की बाह तहसील के इतिहास में बनबारी लाल तिवारी (अक्षर पुरुष) का स्थान एक ऐसे युगपुरुष के रूप में दर्ज है, जिन्होंने बंदूक और बगावत के लिए बदनाम बीहड़ की तस्वीर को कलम और ज्ञान के जरिए हमेशा के लिए बदल दिया।

उनका जीवन इतिहास और शिक्षक के रूप में उनका सफर निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं को समेटे हुए हैः

. स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका और जेल यात्रा

'अंग्रेजों भारत छोड़ो' आंदोलन (1942) के दौरान बनबारी जी ने चम्बल के युवाओं को संगठित कर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था।

क्रांति की राह पर चलते हुए उन्हें जेल भी जाना पड़ा। लेकिन जेल की सलाखें उनके इरादों को तोड़ नहीं पाईं। जेल से रिहा होने के बाद, उन्होंने अपनी आजीविका (रोजी-रोटी) की चिंता नहीं की, बल्कि राष्ट्र निर्माण के एक बड़े और दूरगामी लक्ष्य को अपनी जिंदगी का मकसद बना लिया।

'आजादी बंदूक से नहीं, ज्ञान से मिलेगी' – एक नया संकल्प

उस दौर में चम्बल का क्षेत्र सामाजिक और भौगोलिक रूप से बेहद पिछड़ा हुआ माना जाता था। वहां बंदूक उठाना या बागियों के गिरोह में शामिल होना एक आम बात बन चुकी थी।

बनबारी जी ने जेल से बाहर आकर यह महसूस किया कि देश को असली और स्थायी आजादी तभी मिल सकती है, जब युवा शिक्षित होंगे। उन्होंने माना कि अज्ञानता ही अपराध और गुलामी की सबसे बड़ी जड़ है।

पेड़ के नीचे से शुरू हुआ सफरः 'अक्षर पुरुष' की उपाधि

चम्बल के बीहड़ों और बाह क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी। बनबारी जी ने हार नहीं मानी और एक पेड़ के नीचे बच्चों को इकट्ठा कर अक्षर ज्ञान देना शुरू किया।

बिना किसी स्वार्थ, बिना किसी भव्य भवन और बिना किसी 'दक्षिणा' या फीस की लालसा के, वे लगातार उस बीहड़ में शिक्षा का दीया जलाते रहे। विपरीत परिस्थितियों में उनके इस अदम्य साहस और समर्पण को देखकर ही स्थानीय समाज ने उन्हें बड़े आदर के साथ "अक्षर पुरुष" की उपाधि दी।

भदावर विद्यामंदिर डिग्री कॉलेज (बाह) की स्थापना

पेड़ के नीचे से शुरू हुई शिक्षा की यह अलख केवल प्राथमिक स्तर तक सीमित नहीं रही।

बनबारी लाल तिवारी जी के अथक प्रयासों और समाज के सहयोग से बाह (आगरा) में "भदावर विद्यामंदिर डिग्री कॉलेज" की नींव पड़ी। वे इस महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य बने और उस बीहड़ के इलाके में उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया।

इस कॉलेज ने चम्बल के हजारों युवाओं का भविष्य संवारा और उन्हें डाकू या बागी बनने के बजाय मुख्यधारा से जोड़कर डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और अफसर बनाया।

संक्षेप में कहें तो, बनबारी जी केवल एक किताबी शिक्षक नहीं थे, बल्कि वे चम्बल के एक सामाजिक सुधारक और शैक्षिक दूरदर्शी थे। शंकर देव तिवारी जी की कविता उसी महान विभूति की अनकही गाथा और उनके आदर्श जीवन पाठ को समाज के सामने लाने का एक बेहद सराहनीय प्रयास है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 6 सितंबर 2026 रविवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष सिंह कन्या तुला और वृश्चिक राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। रविवार का दिन जगत के पालनहार सूर्य भगवान तथा ग्रहों के राजा रवि देव की उपासना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन प्रातः काल तांबे के लोटे से सूर्य देव को जल अर्पित करने तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने से जीवन में मान सम्मान तेज यश और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

मेष

आज आपके आत्मविश्वास में जबरदस्त वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपके सभी रुके हुए महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। उच्च अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलने से आपका पद और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। सूर्य देव को लाल पुष्प और अक्षत मिलाकर जल अर्पित करें जिससे आपके सभी कष्ट दूर होंगे।

वृष

आज का दिन आपके पारिवारिक जीवन में सुख और शांति लेकर आएगा तथा घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बनेगी। आर्थिक मामलों में आपकी स्थिति मजबूत होगी और पुराना अटका हुआ धन वापस मिल सकता है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को तांबे के बर्तन या गेंहू का दान करें जिससे आपकी वित्तीय बाधाएं समाप्त होंगी।

मिथुन

आज आपको स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सतर्कता बरतने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक भागदौड़ के कारण थकान हो सकती है। व्यापारिक मामलों में किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके भीतर

नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होगा।

कर्क

आज आपके व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध बहुत मधुर रहेंगे और नए अनुबंध मिलने से व्यापार का दायरा विस्तृत होगा। जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर घूमने जाने का कार्यक्रम बन सकता है जिससे आपसी प्रेम प्रगाढ़ होगा। गाय को गुड़ और रोटी खिलाएं जिससे आपके घर परिवार में सुख समृद्धि का स्थायी वास होगा।

सिंह

आज आपकी ही राशि में सूर्य का प्रभाव रहने के कारण समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा और लोकप्रियता सातवें आसमान पर होगी। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी या सफलता मिल सकती है। मस्तक पर लाल चंदन का तिलक लगाएं जिससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता और तेज बढ़ेगी।

कन्या

आज का दिन विद्यार्थियों और शोध कार्य से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत अनुकूल रहने वाला है तथा एकाग्रता में वृद्धि होगी। विदेशी स्रोतों या दूरदराज के संपर्कों से बड़ा आर्थिक लाभ मिलने के मजबूत योग बन रहे हैं। पक्षियों को दाना डालें जिससे आपके मार्ग की सभी अड़चनें स्वतः समाप्त हो जाएंगी।

तुला

आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों की प्रतिभा खुलकर सामने आएगी और उन्हें बड़ा मंच मिलेगा। पारिवारिक संपत्ति या जमीन जायदाद से जुड़े मामलों में फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। मंदिर में गुड़ और चने की दाल का भोग लगाएं जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार खुलेंगे।

वृश्चिक

आज आपका पराक्रम और पुरुषार्थ चरम सीमा पर रहेगा जिसके बल पर आप हर कठिन परिस्थिति पर आसानी से विजय पा लेंगे। भाई बहनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा और मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। हनुमान जी के साथ सूर्य देव का स्मरण करें जिससे आपके सभी शत्रु स्वतः शांत हो जाएंगे।

धनु

आज आपकी वाणी का प्रभाव और आकर्षण बहुत अधिक रहेगा जिससे लोग आपकी बातों से काफी प्रभावित होंगे। धन संचय करने में सफलता मिलेगी और परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। किसी गरीब छात्र को पठन पाठन की वस्तुएं भेंट करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और अधिक प्रखर होगी।

मकर

आज मानसिक रूप से आप खुद को बहुत शांत और ऊर्जावान महसूस करेंगे जिससे लंबित योजनाओं को गति देने में मदद मिलेगी। मित्रों के सहयोग से कोई रुका हुआ सरकारी काम पटरी पर आ जाएगा। सूर्य देव के बीज मंत्र का जाप करें जिससे आपके जीवन में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

कुंभ

आज आपको व्यर्थ के मानसिक तनाव और अनचाहे खर्चों से बचने के लिए अपने बजट पर विशेष ध्यान देना होगा। व्यापार में अपनी रणनीतियों को किसी के साथ साझा न करें। बहते जल में तांबे का कोई छोटा टुकड़ा प्रवाहित करें जिससे आपके मन का अज्ञात भय समाप्त होगा।

मीन

आज आपके आय के नए स्रोत विकसित होंगे और मित्रों की सहायता से किसी बड़े प्रोजेक्ट में निवेश करने का अवसर मिलेगा। संतान पक्ष से कोई अत्यंत सुखद और संतोषजनक समाचार प्राप्त हो सकता है। किसी धार्मिक स्थल पर अन्न दान करें जिससे आपके भाग्य का संबल और मजबूत होगा।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

रविवार के दिन भवन के पूर्व दिशा अथवा मुख्य द्वार को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां प्रातः काल सूर्योदय के समय तांबे के दीपक में शुद्ध घी का ज्योति प्रज्वलित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा सूर्य देव की कृपा से यश तेज और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

योगी ने चांदी से सजे गर्भगृह में किए 'लाला' के दर्शन

- मुख्यमंत्री के रूप में 20वीं बार श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचे योगी आदित्यनाथ, श्रद्धालुओं पर बरसाए फूल
- योगमाया और केशवदेव मंदिर में भी किया दर्शन-पूजन
- मुख्यमंत्री ने उज्जैन से आए कलाकारों का बढ़ाया उत्साह, ब्रजवासियों को दीं शुभकामनाएं

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने ब्रज प्रवास के दूसरे दिन श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार सुबह विश्व प्रसिद्ध श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर में गोमाता का विधिवत पूजन किया। गौ-पूजन के पश्चात मुख्य गर्भगृह में विराजमान 'लाला' (बाल कृष्ण) के दर्शन और विशेष पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री के रूप में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का यह उनका 20वां दर्शन रहा।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के इस दिव्य पर्व पर जन्मभूमि के मुख्य गर्भगृह की दीवारों को चांदी की परत लगाकर बेहद अलौकिक रूप से सजाया गया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काफी देर तक गर्भगृह की इस अद्भुत छटा और लाला के मनमोहक स्वरूप को भक्तिभाव से निहारते रहे। मुख्यमंत्री ने परिसर में ही स्थित योगमाया मंदिर, केशवदेव मंदिर और भागवत भवन में भी जाकर दर्शन-पूजन किया।

श्रद्धालुओं पर की पुष्प वर्षा

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर जन्मभूमि परिसर में मौजूद हजारों श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन पर पुष्पवर्षा की और सभी देशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें लक्ष्मी नारायण चौधरी, माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बेसिक शिक्षा विभाग संदीप सिंह, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी, अपर पुलिस महानिदेशक सुवेंद्र कुमार भगत, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप जी, पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी एन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

3 साल में पूरी होगी 84 कोस परिक्रमा, 'तीर्थ मित्र' से सहेजेंगे 200 धरोहरें

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- मथुरा-वृंदावन रेल ट्रैक पर बनेगी सड़क, पीपीपी मॉडल पर विकसित होंगी मल्टीलेवल पार्किंग
- वृंदावन परिक्रमा मार्ग को बनाएं सुरक्षित, इस्तेमाल हों बारिश में न फिसलने वाले पत्थर: मुख्यमंत्री

गीता शोध संस्थान परिसर स्थित यमुना एक्सप्रेस- वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय सभागार में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की नौवीं बोर्ड बैठक संपन्न हुई। बैठक में ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास, विरासत संरक्षण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर कई बड़े फैसले लिए गए। ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा का कार्य आगामी 3 वर्षों में तीन चरणों में पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके साथ ही मथुरा- वृंदावन रेल मार्ग पर सुगम यातायात के लिए सड़क मार्ग बनाने की योजना पर भी सहमति बन गई है।

बैठक में हार्टफुलनेस फाउंडेशन हैदराबाद द्वारा सीएसआर के तहत विकास कार्य कराने और गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए 10 गोल्फ कार्ट दान देने पर चर्चा हुई। संस्कृति विभाग की "स्मारक मित्र" योजना की तर्ज पर अब "तीर्थ मित्र" योजना संचालित की जाएगी। इसके तहत ब्रज की उच्च विरासत वाली 200 चिह्नित जीर्ण-शीर्ण धरोहर संरचनाओं और स्मारकों का व्यवस्थित संरक्षण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मथुरा- वृंदावन में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए जगह- जगह होल्डिंग एरिया बनाए जाएं। जिसमें डॉरमेट्री, कैफे और फूड कोर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हों। वृंदावन परिक्रमा मार्ग को श्रद्धालुओं के लिए सुगम बनाने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां ऐसे पत्थर और मिट्टी का प्रयोग किया जाए जो बारिश में न फिसलें और न ही पैरों में चुभें।

बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार में गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बेसिक शिक्षा संदीप सिंह, राज्यसभा सदस्य तेजवीर सिंह, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र सहित संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सूप रखे वासुदेव जी, चलते गोकुल बाट...

-आज गोकुल में मनाया जाएगा नंदोत्सव

टीएनएफ टुडे, मथुरा। सूप रखे वासुदेव जी, चलते गोकुल बाट, यमुना मैया राह में, बढती रही सपाट। भाद्र मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मथुरा में कंस के कारागार में जन्मे देवकी नंदन सुबह गोकुल में नंदनंदन हो गये। इसी उत्सव को गोकुल में हम नंदोत्सव के रूप में मनाते हैं। नंदचौक पर उपहार लुटाये जाते हैं। नंदाबाबा और माता यशोदा के साथ ब्रजवासी ही नहीं देश विदेश से आने वाले श्रद्धालु भी इस अद्भुत आलौकिक लीला के साक्षी बनते हैं। रात को मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का साक्षी बनने का सौभाग्य पाने वाले श्रद्धालु कान्हा के जन्म की खुशियां मनाने का अवसर कैसे छोड सकते थे। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए रात में ही मथुरा से कृष्ण भक्तों का गमन गोकुल की ओर हो गया था। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाने के लिए नंदभवन और नंदचौक को सुंदर तरीके से सजाया गया।

श्रीकृष्ण स्वयं पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान हैः चंचला पति दास

- चंद्रोदय मंदिर में श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृन्दावन।

वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण दिवस श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आध्यात्मिक उल्लास, भक्ति और वैदिक परंपराओं के साथ भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे पुष्पों एवं आकर्षक विद्युत सज्जा से सुसज्जित किया गया। उत्सव में लड्डू गोपाल अभिषेक, छप्पन भोग, विशेष श्रृंगार, झूलन उत्सव, भजन संध्या और हरिनाम संकीर्तन प्रमुख आकर्षण रहे।

ह्यश्रीकृष्ण स्वयं भगवान हैंह्व इस शाश्वत सत्य को रेखांकित करते हुए मंदिर अध्यक्ष चंचलापति दास जी ने कहा कि श्रीकृष्ण सभी अवतारों के मूल स्रोत एवं स्वयं पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान हैं। जब-जब संसार अधर्म और आसुरी शक्तियों के कारण व्याकुल होता है, तब भगवान भक्तों की रक्षा, धर्म की स्थापना तथा समस्त जीवों के कल्याण के लिए युग-युग में अवतरित होते हैं। कहा कि जन्माष्टमी केवल भगवान के अवतरण का उत्सव नहीं, बल्कि भगवान के प्रति अपने प्रेम, श्रद्धा और भक्ति को जागृत करने का पावन अवसर है। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के साथ ही पूरा मंदिर परिसर ह्लहरे कृष्ण, हरे कृष्णह्व और श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने हरिनाम संकीर्तन एवं गौड़ीय वैष्णव संगीत में उत्साह पूर्वक सहभागिता की। मंदिर परिसर इत्र एवं प्राकृतिक सुगंधित अगरबत्तियों की सुगंध से सुवासित रहा। इस पावन अवसर पर लखनऊ, आगरा, दिल्ली, जयपुर सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य अतिथि वृन्दावन पहुंचे और भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य प्राकट्य उत्सव में सहभागिता की।

श्री द्वारकाधीश मंदिर में धूमधम से मना भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

टीएनएफ टुडे, **मथुरा।** पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉक्टर वागीश कुमार जी महाराज (तृतीय पीठाधीश्वर) की आज्ञानुसार 4 सितंबर को भगवान कृष्ण के जन्म की जो तैयारियां पिछले 15 दिनों से चल रही थीं, उनका सफल समापन हुआ। प्रातः काल छह बजे मंगला के दर्शन खुले, जो 6:15 बजे बंद हुए। इसके बाद प्रातः 6:30 बजे ठाकुर जी का भव्य पंचामृत अभिषेक हुआ, जिसमें दूध, दही, घी, बुरा और शहदकृइन पांच द्रव्यों का उपयोग कर मंदिर के मुखिया सुधीर कुमार जी द्वारा पंचामृत अभिषेक संपन्न कराया गया। तत्पश्चात ठाकुर जी का भव्य श्रृंगार हुआ, जिसके बाद ग्वाल और राजभोग की झांकी खुली। सायंकाल 7:30 बजे उत्थापन के दर्शन खुले, जिसके बाद भोग, संध्या आरती और शयन हुआ। रात्रि 10:00 बजे जागरण की पहली झांकी खुली और तत्पश्चात रात्रि 11:45 बजे भगवान का जन्म (प्राकट्य) हुआ, जिसमें पुनः ठाकुर जी का अभिषेक संपन्न हुआ। अगले दिन प्रातःकाल 10 बजे नंदोत्सव का आयोजन होगा। इसके बाद नियमित सेवा चलती रहेगी, दोपहर 2रू00 बजे से झांकियों के दर्शन होंगे और सायंकाल 4:30 से 5 बजे तक शयन के दर्शन के पश्चात मंदिर के कपाट बंद होंगे।

नवगठित वृन्दावन सर्किल के पहले सीओ बने संदीप कुमार सिंह

टीएनएफ टुडे, **मथुरा।** सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और बेहतर भीड़ नियंत्रण हेतु नवगठित "वृन्दावन सर्किल" को शासन की स्वीकृति के अनुसार संदीप कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी यातायात को वृन्दावन सर्किल का क्षेत्राधिकारी नियुक्त किया गया। वृन्दावन में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और बेहतर पुलिसिंग के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद मथुरा में एक नए पुलिस सर्किल "वृन्दावन सर्किल" के गठन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई थी। नवगठित "वृन्दावन सर्किल" के अंतर्गत थाना वृन्दावन, थाना पर्यटन और जनपद के साइबर थाने को शामिल किया गया है । शासनदेश के अनुक्रम में, नवगठित वृन्दावन सर्किल के प्रथम क्षेत्राधिकारी के रूप में संदीप कुमार सिंह को नियुक्त किया गया है जो पूर्व में क्षेत्राधिकारी यातायात पद का निर्वहन कर रहे थे।

श्रद्धालुओं की सेवा कोई कमी नहीं छोड़ते ब्रजवासीः देवेंद्र शर्मा

टीएनएफ टुडे, **मथुरा।** योगीराज श्रीकृष्ण के प्राकट्योत्सव पर विश्व मानव रूहानी केंद्र द्वारा जयसिंहपुरा में पीपल बाबा के बराबर में लगाए गए भंडारे का भाजपा नेता डॉ. देवेंद्र शर्मा और पार्षद/कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने शुभारंभ किया। श्रद्धालुओं को पूड़ी और सब्जी वितरित करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि वास्तव में ब्रजवासी श्रद्धालुओं की आवभगत में कोई कमी नहीं छोड़ते हैं। ब्रजवासी सेवाभावी हैं। इसके अलावा श्रद्धालुओं के लिए चिकित्सा कैंप भी लगाया गया। यहां पर डॉ. योगेश ठाकुर ने चेकअप करके मरीजों को दवाई वितरित की। इस मौके पर दिनेश शर्मा, ललित, प्रमोद, वीरनारायण, नवीन, रामवीर शर्मा, केएन शर्मा आदि मौजूद रहे। गायत्री मंदिर के सामने लगे भंडारे का शुभारंभ पार्षद/कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने किया। इस मौके पर पुष्पेंद्र चौधरी, मुकुट ठाकुर, चंद्रकांत पंडित, दिलीप वर्मा, केपी सिंह, सुरेश अग्रवाल, आनंद चतुर्वेदी, सनी ठाकुर आदि मौजूद रहे।

भाकियू अराजनैतिक की जिला कार्यकारिणी घोषित, तोमर मीडिया प्रभारी

टीएनएफ टुडे, **मथुरा।** भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक मथुरा की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जिलाध्यक्ष तिलक उपाध्याय ने संगठन के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। घोषित कार्यकारिणी में शिवकुमार तौमर को जिला मीडिया प्रभारी तथा उदयवीर सिंह को जिला संयोजक लाल सिंह तौमर को कोषाध्यक्ष संदीप छोंकर को जिला प्रवक्ता अमित चौधरी को संगठन मंत्री रोहिताश चौधरी को जिला महासचिव अवदेश कुमार को तहसील अध्यक्ष मांट रामू चौधरी को तहसील अध्यक्ष महावन भगवान सिंह को तहसील अध्यक्ष मथुरा सदर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाध्यक्ष तिलक उपाध्याय ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक किसानों के हितों के लिए लगातार संघर्षरत है। कार्यकारिणी विस्तार का उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत करना तथा किसानों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना है। नवनियुक्त जिला मीडिया प्रभारी शिवकुमार तौमर ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। नवनियुक्त पदाधिकारियों को मंडल अध्यक्ष राजकुमार तौमर अवधेश रावत हरिपाल सिंह दीपक तौमर मुकेश प्रधान सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी।

ब्रज की सड़कों पर बिखरी भक्ति और संस्कृति की अनुपम छटा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

श्रीकृष्णोत्सव के अंतर्गत कन्हैया की जन्मस्थली मथुरा में अद्भुत उल्लास है। पांचजन्य प्रेक्षागृह में प्रख्यात कलाकारों ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा तो जन्म स्थान की ओर जाने वाले सभी मार्गों के तिराहों और चौराहों पर लोक संस्कृति, भक्ति और संगीत का मनोरम संगम दिखाई फिया। कहीं कृष्ण लीलाओं का मंचन हो रहा है तो कहीं भजनों की स्वर लहरियां गूंज रही हैं। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा शहर भर में 27 सुसज्जित मंच बनाए गए हैं, जहां लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कृष्ण लीलाएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बाहर से आए लाखों श्रद्धालुओं को आनंदित कर रही हैं। इन मंचों पर ब्रज की रासलीला, फूलों की होली और लोक नृत्यों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इसी क्रम में डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में चल रहा मुख्य सांस्कृतिक महोत्सव आकर्षण का केंद्र बना।

यहां देश के प्रख्यात कलाकारों की प्रस्तुतियों का दूसरा दिन भी यादगार रहा। प्रख्यात भजन गायक देवर्षि शर्मा के स्वरों का जादू उपस्थित जनसमुदाय के सिर चढ़कर बोला। उन्होंने श्ब्रज में है रही जै-जैकार, नंद घर लाला जायो हैश और श्ऐसी लागी लगन, मीरा हो गई मगनह्व जैसे अपने सुमधुर भजनों से ऐसा समां बांधा कि पूरा प्रेक्षागृह श्राधे-राधेश के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद कृष्णा सागर कलेक्टिव की भजन जैमिंग ने समां बांध दिया। आधुनिक संगीत और पारंपरिक भजनों के फ्यूजन ने युवाओं में विशेष उत्साह भर दिया। श्जो अलबेला, जिसकी दीवानी ब्रज की हर बालाश, श्किशोरी कुछ ऐसा इंतजाम हो जाए, जुबां पर राधा-राधा नाम हो जाए, श्री राधे-राधे-राधे बरसाने वाली राधे, मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है, करते हो तुम कन्हैया मेरा नाम हो रहा हैश, श्रामा-रामा रटते-रटते बीती रे उमरियाश और श्मेरी झोपड़ी के भाग्य आज खुल जाएंगे, राम आएंगेह्व तथा बजाओ ढोल स्वागत में, मेरे घर राम आए हैंश जैसे भजनों पर ऐसा समां बंधा कि प्रेक्षागृह में मौजूद युवाओं के कदम भी थिरक उठे।

अंतिम प्रस्तुति श्कृष्णा कॉन्सर्ट - डिवोशनल म्यूजिकलश रही। श्रुति अनिंदिता वर्मा के निर्देशन मे कमला बारेठ, निशु शर्मा, रालीग खान और सम्राट कुमार ने भक्ति और शास्त्रीय संगीत का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

आगरा फिर बनेगा साहित्य का केंद्रः तीन दिवसीय कार्यशाला में देश के नामचीन कथाकार तराशेंगे नई पीढ़ी की प्रतिभा

आगरा। कभी हिंदी और उर्दू के दिग्गजों की रचनात्मक जमीन रहा ताजनगरी आगरा एक बार फिर कहानी लेखन का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। शहर के ग्रांड होटल में 7 से 9 सितंबर तक एक भव्य तीन दिवसीय कहानी लेखन कार्यशाला का आयोजन होने जा रहा है। इस अनूठी पहल का उद्देश्य युवा और उभरते रचनाकारों को पेशेवर कहानी लेखन का सघन प्रशिक्षण देना है, जिसमें देश के छह दिग्गज कथाकार अपनी कला के गुर साझा करेंगे। कार्यशाला के मुख्य आकर्षण और रूपरेखा प्रसिद्ध कहानी पत्रिका कथादेश (नई दिल्ली), सांस्कृतिक संस्था रंगलीला (आगरा) और तेजाब हमलों की पीड़िताओं के संगठन शीरोज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को कहानी की बुनियादी रचना से लेकर उसके उन्नत पहलुओं तक का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। भव्य शुभारंभः कार्यशाला का उद्घाटन 7 सितंबर को दोपहर 4 बजे वरिष्ठ कथाकार जितेंद्र भाटिया (जयपुर) द्वारा ग्रांड होटल में किया जाएगा।

विशेष सत्रः 8 और 9 सितंबर को विभिन्न सत्रों में देश के जाने-माने कथाकार व आलोचक प्रतिभागियों को पात्र गढ़ने, संरचना विकसित करने और निजी अनुभवों को प्रभावी कहानी में ढालने के गुर सिखाएंगे।

विशेषज्ञ मार्गदर्शनः कार्यशाला में जितेंद्र भाटिया (जयपुर), महेश कटारे (ग्वालियर), विभांशु दिव्याल (गाजियाबाद), सत्यनारायण (जोधपुर), योगेंद्र आहूजा (नई दिल्ली) और शक्ति प्रकाश (आगरा) मुख्य प्रशिक्षक होंगे। इसके अलावा ख्याति प्राप्त आलोचक जयप्रकाश (राजनांदगांव) और प्रियम अंकित (आगरा) भी युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे।

पुरानी परंपरा को पुनर्जीवित करने का प्रयास

पोस्टर विमोचन के दौरान कथादेश के संपादक हरिनारायण ने बताया कि उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध में आगरा हिंदी-उर्दू कहानी का गढ़ हुआ करता था। इक्कीसवीं सदी के इस दौर में शहर को फिर से साहित्य का हब बनाने की दिशा में यह एक मजबूत कदम है।

वरिष्ठ संस्कृतिकर्मी अनिल शुक्ल और कथाकार अरुण डंग ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनके अनुभवों का रचनात्मक उपयोग करना सिखाना है। वहीं, उर्दू कथाकार नसरीन बेगम ने जानकारी दी कि मुख्य कार्यशाला के बाद अगले चार महीनों में दो मिनी वर्कशॉप भी आयोजित होंगी, जहाँ प्रतिभागी अपनी लिखी कहानियों पर विशेषज्ञों से फीडबैक ले सकेंगे।

लाला कन्हैया के जयकारों पर झूमे यादव

शहर में शोभायात्रा से भक्ति भाव मय हुई मथुरा नगरी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- परंपरागत आयोजन के साथ यादवों ने मनाया जन्मोत्सव

यादव समाज ने भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मथुरा नगर में शोभायात्रा निकालकर सोल्लास मनाया। आकर्षक झांकियों के साथ धार्मिक गीत संगीत पर झूमते नाचते ग्वाल-बाल भक्ति भाव से लवरेज दिखे। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत हुआ।

अखिल भारतवर्षीय यादव महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती लीरी वेन प्रवीण भाई माडम अहीर ने कृष्ण बलराम जी के स्वरूप की आरती उतार कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभा यात्रा में ब्रज के हस्तशिल्पियों ने गुजरात के द्वारिका नाथ, गोवर्धन के श्री गिरिराज जी, वृंदावन बिहारी जी, नाथ द्वारा राजस्थान के श्रीनाथजी और गणेश जी की प्रतिमा को साक्षात स्वरूप की झांकी आकर्षक का केंद्र रहीं। झांकियों ने उपस्थित बृजवासियों का मन मोह लिया ।

शोभा यात्रा में गाजे बजे के साथ 'नंद के आनंद भये जय कन्हैया लाल की, कोई लायौ हाथी घोड़ा कोई लायौ पालकी' के जयघोष गूंजते रहे।

सुंदर झांकी और मनोरम भजनों से नगर का वातावरण भक्तिभाव से भर गया।

आरती के बाद शोभा यात्रा के संस्थापक वरिष्ठ समाजसेवी प्रहलाद यादव ने आगंतुकों को दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। शोभा यात्रा में गुजरात महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष अमिताबेन बंधिया, उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष मीना यादव, प्रदेश महासचिव वशिष्ठा, जिला अध्यक्ष मथुरा पूनम, महानगर अध्यक्ष अंजू , आरती, राजेश, आशा, रामवीर, बीना, राजेंद्र, रचना, नम्रता, डॉ. शिवानी, पूर्व जज नम्रता सिंह, गुजरात की वर्षा वेन जूनागढ़, रतन बहन अहमदाबाद, कांटाबेन गांधीधाम, भावना वेन, रेखा बेन, मीना वेन के अतिरिक्त सैकड़ों स्वजातिय बन्धुओं ने भाग लिया।

मैनपुरी में यादव महासभा द्वारा भव्य कृष्णजन्मोत्सव शोभायात्रा आयोजित

बदायूं सांसद आदित्य यादव और विधायक तेज प्रताप यादव रहे मौजूद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मैनपुरी।

मैनपुरी शहर में जन्मोत्सव के पावन अवसर पर यादव महासभा के तत्वावधान में करहल चौराहे से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसे करहल विधायक तेज प्रताप यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस धार्मिक और सामाजिक आयोजन में बदायूं के सांसद आदित्य यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और जनपदवासियों को कृष्णजन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

शोभायात्रा के शहर के मुख्य रास्तों से आगे बढ़ने पर पूरा माहौल कृष्ण भक्ति और जयकारों से गूंज उठा, तथा जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया। यात्रा में 10 से अधिक मनमोहक झांकियां और भगवान शंकर का अखाड़ा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे, जिस पर कलाकारों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद आदित्य यादव ने कार्यक्रम के संयोजक रावल सिंह यादव और उनकी पूरी टीम को इस सफल आयोजन के लिए विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज को एकजुट करने और एक सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं।

इसी दौरान यादव महासभा के प्रदेश सचिव विनीत यादव ने खरा क्षेत्र में समाज के लोगों के सहयोग से भगवान कृष्ण का एक भव्य मंदिर बनाने का ऐलान किया। सपा जिलाध्यक्ष प्रेम विलास सिंह और आलोक शाक्य की मौजूदगी में वक्ताओं ने कहा कि भगवान कृष्ण हमारे आराध्य हैं और उनका जीवन हमें धर्म, कर्म, सत्य तथा अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने का मार्ग दिखाता है।

इस भव्य आयोजन में संयोजक रावल सिंह यादव (जिलाध्यक्ष यादव महासभा), सहसंयोजक ऋषि यादव (महामंत्री), सहसंयोजक विपुल यादव (युवा जिलाध्यक्ष), पूर्व विधायक राजू यादव, वीके यादव, प्रफुल्ल यादव, सौरभ यादव, संजीव यादव, सोनू यादव, सुबोध सिंह यादव, प्रांशु यादव समेत तमाम गणमान्य लोग एवं सैनिक प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 9 और 11 में पार्श्व प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

फिरोजाबाद। जवाहर नवोदय विद्यालय गुरैया सोयलपुर फिरोजाबाद में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा-9 व कक्षा-11 में रिक्त सीटों पर पार्श्व प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यालय प्रशासन के अनुसार पार्श्व प्रवेश परीक्षा 10 अप्रैल 2027 दिन शनिवार को आयोजित की जाएगी। वह छात्र जो सत्र 2026-27 में फिरोजाबाद जिले के मूल निवासी हों और इसी जिले के सरकारी या सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा-8 (कक्षा-9 में प्रवेश हेतु) व कक्षा-10 (कक्षा-11 में प्रवेश हेतु) में अध्ययनरत हों, वे पात्र होंगे। छात्र ने संबंधित कक्षा में पूरे सत्र में अध्ययन किया हो। कक्षा-9 के लिए जन्मतिथि 01.05.2012 से 31.07.2014 के बीच हो व कक्षा-11 के लिए जन्मतिथि 01.06.2010 से 31.07.2012 के बीच हो। इच्छुक अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निःशुल्क आवेदन 30 सितंबर 2026 तक कर सकते हैं। आवेदन से पूर्व विवरणिका का अवश्य अध्ययन कर लें।

प्रधान गीता अर्जुन सिंह तोमर की सराहनीय पहल

- पैसे देकर 20 किमी दूर जाते थे गाँव के बच्चो को अब मिलेगी भारी राहत भटोहा मानिकपुर में
- डिजिटल लाइब्रेरी का हुआ शुभारंभ, विद्यार्थियों को मिलेगी निशुल्क पढ़ाई की सुविधा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, करहल।

ग्राम पंचायत भटोहा मानिकपुर के ग्राम पंचायत सचिवालय में डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया गया।

ग्राम पंचायत की इस पहल से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गांव में ही निशुल्क अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी। अब प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य शैक्षिक तैयारियों के लिए विद्यार्थियों को करहल या मैनपुरी की लाइब्रेरी में शुल्क देकर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

ग्राम पंचायत की ओर से बताया गया कि क्षेत्र के कई होनहार विद्यार्थी अध्ययन के लिए शहर की लाइब्रेरी का रुख करते हैं। विद्यार्थियों और अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर ही डिजिटल लाइब्रेरी शुरू की गई है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शहर जैसी अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

डिजिटल लाइब्रेरी में विद्यार्थियों के लिए पानी, बिजली, इन्वर्टर, कुर्सी-मेज तथा स्वच्छ शौचालय सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। लाइब्रेरी के संचालन का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है।

प्रधान प्रतिनिधि अर्जुन सिंह तोमर ने कहा कि ग्राम पंचायत के विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन का वातावरण उपलब्ध कराना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। गांव के विद्यार्थियों को शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सुविधाओं की कमी न हो, इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने क्षेत्र के विद्यार्थियों से डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

राहुल जैन पुनः जैन विद्या शोध संस्थान लखनऊ के सदस्य मनोनीत, समाज में हर्ष की लहर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मैनपुरी।

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश एवं राज्यपाल की संस्तुति पर मैनपुरी के सरावज्ञान निवासी राहुल जैन पुत्र गिर्राज जैन को उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ का पुनः सदस्य बनाया गया है। उनके साथ ही प्रदेश के अन्य विद्वानों को भी संस्थान की सामान्य परिषद में उपाध्यक्ष एवं सदस्य के रूप में नामित किया गया है, जिसमें प्रोफेसर अभय कुमार जैन को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस नई सूची में राहुल जैन (मैनपुरी) के अतिरिक्त आशीष जैन (फिरोजाबाद), रोहित जैन (गोरखपुर), डॉ. संजीव जैन (लखनऊ), डॉ. प्रमोद कुमार भदौरा (प्रयागराज), सुनील जैन (कुरावली, मैनपुरी), डॉ. सुनील कुमार जैन (ललितपुर) और सौरभ शास्त्री (फिरोजाबाद) को सदस्य नामित किया गया है। शासन के संस्कृति विभाग द्वारा इस संबंध में औपचारिक कार्यालय-आदेश जारी कर दिया गया है, जिसके अनुसार इन सभी का कार्यकाल तीन वर्ष या राज्य सरकार के अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा।

राहुल जैन के पुनः मनोनयन पर मैनपुरी के सकल दिगंबर जैन समाज में अत्यधिक हर्ष का वातावरण है और समाज के लोगों ने इसे गौरवशाली उपलब्धि बताते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। स्थानीय समाज ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है।

शुभकामनाएं प्रेषित करने वालों में जैन समाज के अध्यक्ष अनंत कुमार जैन, मंत्री जॉली जैन, संजय जैन गोल्डी, प्रशांत जैन, अंकित जैन, शशांक जैन, बंटी जैन मोलका, गौरव जैन, अभिषेक जैन, बबलू जैन, पल्लव जैन, राजीव जैन, आशीष जैन, सोनू जैन, वीरेंद्र जैन कागजी और सम्यक जैन सहित तमाम गणमान्य लोग शामिल रहे। सभी ने उनके कार्यकाल के सफल होने की कामना की है।

विधानसभा चुनाव-2027 को लेकर ईवीएम-वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच शुरू

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के क्रम में निर्वाचन में प्रयुक्त होने वाली ईवीएम एवं वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच (FLC) शुरू कर दी गई है। यह जांच जिला निर्वाचन अधिकारी की देखरेख में संबंधित निमार्ता कंपनी के अधिकृत इंजीनियरों द्वारा की जा रही है।

निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पूर्व ईवीएम एवं वीवीपैट की जांच एवं परीक्षण किया जाता है। केवल FLC में सफल पाए जाने वाले ईवीएम एवं वीवीपैट का ही निर्वाचन में उपयोग किया जाता है। FLC की विस्तृत प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन संबंधी नियमावली में निर्धारित है।

आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 में प्रयोग की जाने वाली ईवीएम एवं वीवीपैट की FLC 02 सितंबर 2026 से कार्य समाप्ति तक सिविल लाइन कलैक्ट्रेट, दबरई, फिरोजाबाद में इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ECIL) के अधिकृत इंजीनियरों द्वारा की जा रही है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

FLC प्रक्रिया की निगरानी जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ-साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी तथा भारत निर्वाचन आयोग के स्तर से भी की जाएगी। पूरी प्रक्रिया को निर्धारित नियमों एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जा रहा है।

जिला मुख्यालय स्थित राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से भी FLC प्रक्रिया के अवलोकन के लिए अपने प्रतिनिधियों को अधिकृत करने का अनुरोध किया गया है। इसके लिए संबंधित राजनीतिक दलों को 27 एवं 29 अगस्त 2026 को लिखित रूप से पत्र भेजे गए थे। राजनीतिक दलों के राज्य मुख्यालय द्वारा भी अनुरोध पत्र प्राप्त होने की पुष्टि की जा चुकी है।

प्रशासन की ओर से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से FLC प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहकर जांच प्रक्रिया का अवलोकन करने की अपेक्षा की गई है।

मैनपुरी में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की बैठक, दीपावली और शोभायात्रा की रूप रेखा तय

मैनपुरी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा नगर युवा प्रकोष्ठ मैनपुरी की ओर से गुरुवार की शाम ॐ साईं गेस्ट हाउस में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. चंद्र मोहन सक्सेना और जिलाध्यक्ष राजीव कुमार कुलश्रेष्ठ की उपस्थिति में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी दीपावली पर्व और उसके बाद निकलने वाली भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की शोभायात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाना था। बैठक के दौरान नगर अध्यक्ष अमित जौहरी और सचिव विकास नंदन कुलश्रेष्ठ ने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों से समयबद्ध एवं व्यवस्थित योजना के तहत काम करने की अपील की। इसके साथ ही कोषाध्यक्ष आयुष मुवार और सक्रिय सदस्य नितिन सक्सेना ने अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने और समाज के हर वर्ग का सहयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. सूर्यमोहन सक्सेना, प्रमोद सक्सेना, हिमालय राज प्रधान, प्रशांत जौहरी, कुशाग्र मोहन, सिद्धार्थ सक्सेना सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। अंत में सभी ने एकजुट होकर कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

मदनपुर में प्रधानों की बैठक, ग्रीश चंद्र यादव बने प्रशासक संघ के अध्यक्ष

सिरसागंज। ब्लॉक मदनपुर के सभागार कक्ष में क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान बलीपुर ने की। इस दौरान प्रशासक संघ के अध्यक्ष के चयन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में ग्राम प्रधान वेद प्रकाश यादव, खटुयामई ने ग्रीश चंद्र यादव, प्रधान लौहरई के नाम का प्रस्ताव रखा। उपस्थित प्रधानों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन करते हुए ग्रीश चंद्र यादव को प्रशासक संघ का अध्यक्ष चुन लिया। इस अवसर पर प्रधान विनेश यादव, गणेश प्रधान, मनोज प्रधान, चरण सिंह प्रधान, मुकेश प्रधान, उमाशंकर प्रधान, कुलदीप प्रधान, वीरेंद्र सिंह, अवनीश प्रधान, साहब सिंह प्रधान, नरेंद्र प्रधान, रामकेश प्रधान, गेंदालाल प्रधान, दिनेश प्रधान, महेश चंद्र प्रधान, दिनेश कुमार प्रधान सहित अन्य ग्राम प्रधान उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ग्रीश चंद्र यादव ने सभी प्रधानों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की एकजुटता और प्रधानों के हितों के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही।

जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता 13 व 14 सितंबर को शिकोहाबाद में

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश एथलेटिक एसोसिएशन द्वारा सितंबर एवं अक्टूबर माह में उत्तर प्रदेश राज्य जूनियर, अंडर-23 एवं सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं को ध्यान में रखते हुए जिला एथलेटिक्स संघ फिरोजाबाद द्वारा जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 13 एवं 14 सितंबर 2026 को शिकोहाबाद में कराया जाएगा। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव श्यामवीर ने बताया कि प्रतियोगिता ए.के. डिग्री कॉलेज, स्टेशन रोड, शिकोहाबाद के मैदान पर आयोजित होगी। इसमें अंडर-14, अंडर-16, अंडर-18, अंडर-20, अंडर-23 तथा ओपन पुरुष एवं महिला वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर प्रत्येक स्पर्धा में शीर्ष छह स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन आगामी उत्तर प्रदेश राज्य जूनियर, अंडर-23 एवं सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता में आयु वर्ग के अनुसार विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाएं आयोजित होंगी। अंडर-14 वर्ग में विभिन्न ट्रायथलॉन स्पर्धाएं होंगी। अंडर-16 वर्ग में 60 मीटर, 600 मीटर, बाधा दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट एवं भाला फेंक जैसी स्पर्धाएं होंगी। वहीं अंडर-18 वर्ग में 100, 200, 400 एवं 1000 मीटर दौड़ के साथ लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो और भाला फेंक की स्पर्धाएं कराई जाएंगी। अंडर-20, अंडर-23 एवं ओपन वर्ग में विभिन्न दौड़, बाधा दौड़, रेस वॉक तथा फील्ड इवेंट्स आयोजित होंगे। इनमें लंबी कूद, ट्रिपल जंप, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, भाला फेंक और हैमर थ्रो प्रमुख हैं। जिला एथलेटिक्स संघ ने खिलाड़ियों से अपनी आयु के अनुसार सही वर्ग का चयन करते हुए प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की अपील की है। संघ ने स्पष्ट किया कि आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (अ‍ॠक्र) की वक्ळ अनिवार्य होगी। बिना अ‍ॠक्रवक्ळके खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग नहीं कर सकेंगे। संघ के पदाधिकारियों ने जिले के सभी एथलीटों से अधिक से अधिक संख्या में जिला प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने की अपील की है।

हजरत हमीदुद्दीन चिश्ती बाबा का 808वां उर्स शुरू, मेले में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

यमुना किनारे स्थित हजरत हमीदुद्दीन चिश्ती सूफी साहब बाबा की दरगाह पर 808वें तीन दिवसीय उर्स को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उर्स के अवसर पर लगने वाले मेले में बड़ी संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों से अकीदतमंद और जायरीन पहुंचेंगे। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा मेले में सुरक्षा और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

उर्स की व्यवस्थाओं का जायजा लेने नगर पुलिस अधीक्षक रविशंकर प्रसाद, सीओ सदर तेजस त्रिपाठी, एलआईयू इंस्पेक्टर प्रेमपाल सिंह एवं करबला कमेटी के अध्यक्ष हिकमत उल्ला खान ने दरगाह और मेला स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने रास्तों, दरगाह परिसर, मेला क्षेत्र तथा यमुना किनारे की व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा।

नगर पुलिस अधीक्षक रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की अपेक्षा इस बार मेले में और बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं। मेला क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। आने-जाने वाले मार्गों और मेला स्थल पर पुलिस की ड्यूटियां लगाई गई हैं। महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल 112 अथवा मेला प्रभारी थाने को सूचना दें, समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाएगा।

आलू उत्पादक किसानों को मिलेगा भाव स्थिरता और भंडारण अनुदान का लाभ

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

- डीएम ने योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित कराने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आलू उत्पादक किसानों के हितों की सुरक्षा एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, उद्यान विभाग के अधिकारी, संबंधित विभागों के प्रशासनिक अधिकारी एवं जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए आलू उत्पादक किसानों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में जिलाधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संचालित ह्यभामाशाह भाव स्थिरता कोषह्न योजना तथा ह्यनिजी शीतगृहों में भंडारित आलू के भंडारण प्रभार पर अनुदानह्न योजना की गहन समीक्षा की। उन्होंने उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र किसानों को इसका लाभ दिलाया जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि बाजार में आलू के मूल्य में होने वाले उतार-चढ़ाव से किसानों को सुरक्षा प्रदान करने तथा उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा यह योजना संचालित की गई है। योजना के तहत अधिकतम दो हेक्टेयर रोपित क्षेत्रफल के लिए प्रति किसान प्रति हेक्टेयर 200 कुंतल की दर से अनुदान देय होगा। किसानों को न्यूनतम उत्पादन लागत के 25 प्रतिशत अथवा अंतर की धनराशि के अनुसार लाभ प्रदान किया जाएगा।

शीतगृह में रखे आलू पर मिलेगा 100 रुपये प्रति कुंतल अनुदान

निजी शीतगृहों में भंडारित आलू पर किसानों को 100 रुपये प्रति कुंतल की दर से अनुदान दिया जाएगा। प्रति किसान अधिकतम दो हेक्टेयर आलू रोपित क्षेत्रफल के लिए अधिकतम 200 कुंतल प्रति हेक्टेयर की दर से अनुदान देय होगा। अनुदान की पात्रता के लिए कोल्ड स्टोरेज से आलू निकासी का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

अनुदान की धनराशि सीधे किसान के आधार-सीडेड बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी।

किसान उद्यान विभाग के आधिकारिक पोर्टल potato.uphorticulture.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदन की रसीद के साथ पहचान पत्र, बैंक पासबुक, खसरा-खतौनी एवं कोल्ड स्टोरेज की तकपट्टी की छायाप्रति जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में जमा कराना होगा।

जिलाधिकारी ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदन प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी रखा जाए, ताकि किसानों को पात्रता सिद्ध करने अथवा पोर्टल पर पंजीकरण कराने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद क्षेत्र आलू उत्पादन के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। ऐसे में सरकार की ये योजनाएं यहां के आलू उत्पादक किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकती हैं। उन्होंने विभिन्न माध्यमों से योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए।

धूमधाम से निकली श्री कृष्ण शोभायात्रा, भक्ति गानों पर झूमे श्रद्धालु

नदरई गेट से हुआ भव्य शुभारंभ, 15 मनमोहक झांकियों ने मोहा शहरवासियों का मन

- सोरों गेट शीतला माता मंदिर पर विश्राम, पुलिस-प्रशासन रहा मुस्तैद

❍ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शहर में शुक्रवार की दोपहर श्री कृष्ण शोभायात्रा अत्यंत धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ नदरई गेट स्थित गौशाला से हुआ, जो शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई सोरों गेट स्थित शीतला माता मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान पूरा मार्ग भगवान श्री कृष्ण के जयकारों से गुंजायमान रहा।

शोभायात्रा में कुल 15 आकर्षक और मनमोहक झांकियां शामिल रहीं, जिन्हें देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। ऊंटों पर सवार भगवान के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन कर लोग भावविभोर हो उठे। डीजे पर बजते धार्मिक भजनों पर युवा और श्रद्धालु जमकर थिरकते नजर आए। शोभायात्रा के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया।

इस धार्मिक आयोजन में यादव समाज की प्रमुख भागीदारी रही। इस दौरान ओम प्रकाश यादव, शेखर यादव, गौरव यादव, सौरभ यादव, आकाश यादव, सचिन यादव, जगदीश यादव, अमन यादव, केपी सिंह यादव, अंशुमान यादव, प्रदीप यादव, प्रशांत यादव, ऋतिक यादव, अवनीश यादव, अजय यादव सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत जी की 139वीं जयंती पर जनपद में श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम किए जाएंगे आयोजित

हाथरस। भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत जी की 139वीं जयंती के अवसर पर दिनांक 10 सितम्बर, 2026 (गुरुवार) को जनपद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। पंडित गोविन्द बल्लभ पंत जी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत सरकार के पूर्व गृह मंत्री रहे हैं। देश एवं प्रदेश के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदान को सदैव स्मरण किया जाता है। मुख्य विकास अधिकारी पी. एन. दीक्षित ने जनपद के समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में दिनांक 10 सितम्बर, 2026 को पंडित गोविन्द बल्लभ पंत जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालने हेतु आवश्यक कार्यक्रम आयोजित कराना सुनिश्चित करें। कार्यक्रमों में स्वतंत्रता संग्राम में पंडित गोविन्द बल्लभ पंत जी के योगदान, राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका तथा उनके आदर्शों एवं विचारों से नई पीढ़ी को अवगत कराने हेतु संक्षिप्त परिचर्चा/विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा।

सफाई कर्मियों की हड़ताल से लगे कूड़े के ढेर , समाचार नंबर 11

❍ टीएनएफ टुडे, सादाबाद।

- हटाये गए कर्मियों को वापस लाने और अन्य शिकायतों को लेकर सफाई संघ ने की है हड़ताल

नगर पंचायत में आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों की परेशानी और हटाए गए कर्मियों को वापस काम पर लेने की मांग को लेकर सफाई मजदूर संघ ने हड़ताल शुरू कर दी है। जन्माष्टमी से पहले अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के नेतृत्व में कर्मचारियों ने नगर पंचायत के सफाई काम का बहिष्कार किया और प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों के काम बंद करने से डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था पर असर पड़ा है। नगर पंचायत डिपो से कूड़ा उठाने वाले रिक्शा, ट्रैक्टर-ट्रॉली जैसे वाहनों को भी कर्मचारियों ने बाहर नहीं निकलने दिया। इससे शहर के कई इलाकों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। संघ के नगर अध्यक्ष रंजीत वाल्मीकि ने बताया कि आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों की आर्थिक परेशानी को लेकर संगठन ने 24 जुलाई को शिकायत और 12 अगस्त को जिलाधिकारी को नोटिस दिया था। उनका आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अब तक कोई सही कार्रवाई नहीं हुई। इससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती गई। संघ ने काम देने वाली कंपनी ब्लैक इन्फ्राटेक हाई स्योरिंग प्रोमार्ट के मैनेजर को भी नोटिस दिया था। इसमें आरोप लगाया गया कि डोर-टू-डोर सफाई काम में लगे कर्मचारियों को मानसिक, आर्थिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जा रहा है। संगठन ने नोटिस मिलने के 72 घंटे के भीतर समस्याओं को हल करने और यह परेशानी बंद करने की मांग की थी। कार्रवाई नहीं होने पर आगे आंदोलन की चेतावनी भी दी गई थी। कर्मचारियों ने नगर पंचायत के कार्यकारी अधिकारी को भी एक पत्र दिया है। इसमें आरोप लगाया गया कि कुछ सफाई कर्मचारियों को बिना किसी नोटिस, लिखित शिकायत या जांच के गलत जानकारी के आधार पर काम से हटा दिया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि इससे प्रभावित कर्मियों के सामने परिवार के पालन-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। कई बार लिखित और मौखिक शिकायत के बाद भी समस्या का हल नहीं हुआ। इसके बाद संघ के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सफाई का काम बंद कर दिया। कर्मचारियों के प्रदर्शन के चलते कूड़ा उठाने पर असर पड़ा है, जिससे शहर में सफाई व्यवस्था बिगड़ गई है। लोगों को अब कूड़ा उठने का इंतजार है, जबकि अधिकारियों के सामने कर्मचारियों के आंदोलन को खत्म कर सफाई व्यवस्था को ठीक करने की चुनौती है।

ई-रिक्शा में बैठते ही बना लिया लूट का शिकार, चाकू दिखाकर 6 हजार छीने

❍ टीएनएफ टुडे, एटा।

- जलेसर पुलिस ने 36 घंटे में दबोचे दोनों आरोपी
- थाना प्रभारी अखिलेश दीक्षित की अगुवाई में ताबड़तोड़ कार्रवाई—ई-रिक्शा, चाकू और लूट की रकम बरामद

सवारी बनकर ई-रिक्शा में बैठे व्यक्ति को रास्ते में चाकू दिखाकर लूटने वाले गिरोह पर जलेसर पुलिस ने शिकंजा कस दिया। घटना के खुलासे में थाना प्रभारी अखिलेश दीक्षित की अगुवाई में पुलिस टीम ने तेजी दिखाते हुए वारदात में प्रकाश में आए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा, अवैध चाकू और लूट की रकम में से 5,250 रुपये बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, हाथरस के हसायन थाना क्षेत्र के महेवा निवासी अभयपाल सिंह 2 सितंबर को घर से ग्राम गोथुआ जाने के लिए निकले थे। निधौली चौराहे से उन्होंने गोथुआ जाने के लिए एक ई-रिक्शा तय किया। आरोप है कि रास्ते में ई-रिक्शा चालक और उसके साथी ने उनके साथ मारपीट की और चाकू दिखाकर 6 हजार रुपये छीन लिए।

पीड़ित की शिकायत पर जलेसर थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। एसएसपी डॉ. इलामारन के निर्देशन और एएसपी श्वेताभ पाण्डेय तथा एएसपी क्राइम योगेंद्र सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी अखिलेश दीक्षित ने टीम के साथ तेजी से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जीतू पुत्र रामखिलाड़ी, निवासी माधवनगर, जलेसर और आशिफ पुत्र सब्बीर, निवासी महवारीगंज, जलेसर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल ई-रिक्शा, एक अवैध चाकू और लूट की रकम बरामद की।

थाना प्रभारी की सक्रियता से खुला मामला

घटना के बाद जलेसर पुलिस की त्वरित कार्रवाई को अहम माना जा रहा है। थाना प्रभारी अखिलेश दीक्षित की टीम ने घटना में इस्तेमाल ई-रिक्शा और चाकू तक बरामद कर मामले की कड़ियां जोड़ दीं। पुलिस की इस कार्रवाई से सवारी बनाकर लूट की वारदात करने वालों को स्पष्ट संदेश गया है कि जलेसर क्षेत्र में अपराध कर बच निकलना आसान नहीं होगा।

गुरुवार को मुख्य बाजार में लोगों ने जमकर की खरीदारी, पीतल के लड्डू गोपाल रहे डिमांड में

सादाबाद। कस्बे में जन्माष्टमी पर्व को लेकर बाजार से लेकर मंदिरों तक तैयारियां तेज हो गई हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर भक्तों में काफी उत्साह है। बाजारों में लड्डू गोपाल की मूर्तियों, पोशाक, मुकुट और झूले खरीदने के लिए भीड़ उमड़ रही है।

इस बार पीतल के लड्डू गोपाल की खास मांग देखी जा रही है। भक्त अपनी पसंद के अनुसार ठाकुरजी के लिए सुंदर पोशाक और श्रृंगार का सामान खरीद रहे हैं। दुकानदार ल ने बताया कि बाजार में छोटे-बड़े लड्डू गोपाल के साथ कई रंगों की पोशाक, पगड़ी, मुकुट, बांसुरी और माला जैसी चीजें उपलब्ध हैं। जन्माष्टमी के लिए अपनी दुकानों को भी अच्छे से सजाया है। गुजरात से आए सुंदर झूले और पालने भी भक्तों को खूब पसंद आ रहे हैं। लोग अपने घरों में लड्डू गोपाल को बिठाने के लिए मनपसंद झूले खरीद रहे हैं। कस्बे के मंदिरों में भी जन्माष्टमी की तैयारियां शुरू हो गई हैं। राम मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर खास झांकियां सजाई जाएंगी। मंदिर परिसर को सजाने का काम शुरू हो चुका है।

भारत निर्वाचन आयोग: ईवीएम एवं वीवीपैट का एफएलसी कार्य जारी

❍ टीएनएफ टुडे, एटा।

- आयोग द्वारा नामित नोडल अधिकारी ने किया एफएलसी कार्य का सघन निरीक्षण
- व्यवस्थाएं निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप संतोषजनक मिलीं

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के क्रम में जनपद एटा में ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) का कार्य दिनांक 02 सितम्बर 2026 से एफएलसी हॉल, वीवीपैट वेयरहाउस, कलेक्ट्रेट परिसर एटा में प्रारंभ हो गया है। एफएलसी कार्य ईसीआईएल, हैदराबाद द्वारा अधिकृत इंजीनियरों के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया एवं आयोग की गाइडलाइन/एसओपी के अनुसार कराया जा रहा है।

जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द सिंह द्वारा एफएलसी कार्य प्रारंभ होने से एक दिन पूर्व उप जिला निर्वाचन अधिकारी संगम लाल एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व चंद्र प्रकाश पाठक सहित निर्वाचन कार्यालय के संबंधित अधिकारियों के साथ तैयारियों का विस्तृत अवलोकन करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों एवं एसओपी का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। जिला निर्वाचन अधिकारी के निदेर्शों के क्रम में एफएलसी हॉल में सुरक्षा, सीसीटीवी, प्रकाश, विद्युत, इंटरनेट सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए कार्य प्रारंभ कराया गया।

भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त निदेर्शों के क्रम में एफएलसी कार्य की जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एफएलसी सुपरवाइजर द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। एफएलसी कार्य की पारदर्शिता एवं प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के लिए आयोग द्वारा नोडल अधिकारी ईवीएम (जम्मू एवं कश्मीर) को नामित किया गया है।

इसी क्रम में आयोग द्वारा नामित नोडल अधिकारी ईवीएम (जम्मू एवं कश्मीर) द्वारा जनपद में चल रहे ईवीएम एवं वीवीपैट के एफएलसी कार्य का सघन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एफएलसी की प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं भारत निर्वाचन आयोग की निर्धारित गाइडलाइन एवं एसओपी के अनुरूप संतोषजनक पाई गईं।

एफएलसी कार्य के दौरान जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एफएलसी कार्य संपादित किया जा रहा है, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं विश्वास सुनिश्चित हो सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि एफएलसी कार्य भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों एवं निर्धारित एसओपी के अनुरूप पूर्ण सावधानी, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपादित किया जाए तथा कार्य के दौरान किसी भी स्तर पर निर्धारित प्रक्रिया से विचलन न होने पाए।

विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत EVM एवं VVPAT की प्रथम स्तरीय जाँच (FLC) प्रारम्भ

❍ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

- 02 से 21 सितम्बर तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी जाँच, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी कर सकेंगे अवलोकन।

जिलाधिकारी /जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल वत्स ने अवगत कराया है कि प्रत्येक निर्वाचन से पूर्व, निर्वाचन में उपयोग की जाने वाली EVM और VVPAT की जाँच एवं परीक्षण, संबंधित निमार्ता कंपनी के अधिकृत इंजीनियरों द्वारा, जिला निर्वाचन अधिकारी की देख-रेख में किया जाता है। केवल फर्स्ट लेवल चेकिंग में उत्तीर्ण ईवीएम और वीवीपैट ही निर्वाचन में उपयोग की जाती हैं। एफएलसी की विस्तृत प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन संबंधी नियमावली (Manual on Electro»»fic Voting Machine) में उल्लिखित है, जो भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://www.eci.gov.in/evm-vvpat पर उपलब्ध है। आगामी विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2027 में उपयोग की जाने वाली ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जाँच इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद के अधिकृत इंजीनियरों के स्तर से दिनांक 02.09.2026 से 21.09.2026 तक जिला निर्वाचन कार्यालय, विकास भवन के पीछे, मथुरा रोड, हाथरस पर स्थित वेयरहाउस पर स्थापित किए गए FLC हॉल पर किये जाने हेतु निर्धारित की गई है।

भारत निर्वाचन आयोग के मौजूदा निदेर्शों के अनुसार ईवीएम और वीवीपैट की FLC सम्पन्न कराने हेतु सभी व्यवस्थाऐं की जा चुकी हैं। फर्स्ट लेवल चेकिंग प्रक्रिया की निगरानी जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी तथा भारत निर्वाचन आयोग के स्तर पर भी की जाती है।जिला मुख्यालय स्थित राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से भी दिनांक 29.08.2026 को लिखित रूप में अनुरोध किया गया है कि वे फर्स्ट लेवल चेकिंग प्रक्रिया के अवलोकन हेतु अपने प्रतिनिधियों को अधिकृत करें। अनुरोधपत्र की प्राप्ति के सम्बन्ध में दलों के राज्यमुख्यालय द्वारा भी पुष्टि (endorse) की जा चुकी है।

करंट की चपेट में आने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत

❍ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

थाना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नगला भूड में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। सुबह करीब 9:45 बजे गांव के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन बिजली के तारों से टकराकर राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौके पर ही झुलसकर मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पीआरवी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

थाना कोतवाली पुलिस ने तत्काल वन विभाग के अधिकारियों को मामले से सूचित कराया। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत मोर के शव को अपने संरक्षण में ले लिया। पुलिस और प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई की ग्रामीणों ने सराहना की है। वन क्षेत्राधिकारी विवेक कुमार ने बताया कि वन कर्मियों द्वारा मृत मोर के शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी होने के बाद राष्ट्रीय पक्षी को राजकीय एवं पूर्ण राष्ट्रीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।

कलाई पर लिखे शब्दों ने खोल दी शव की दास्ता

- कासगंज स्टेशन मुसाफिरखाने में मिले अज्ञात शव की शिनाख्त
- 24 अगस्त को घर से नाराज होकर निकला था अलीगढ़ का 24 वर्षीय विनोद

❍ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

रेलवे स्टेशन कासगंज के मुसाफिरखाने में मिले एक अज्ञात युवक के शव की गुत्थी आखिरकार सुलझ गई है। पोस्टमार्टम से ठीक पहले मृतक के हाथ की कलाई पर लिखे नाम व पते ने उसकी पहचान उजागर कर दी। मृतक की पहचान जनपद अलीगढ़ के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव माड़पुर निवासी विनोद (24 वर्ष) पुत्र चंद्रपाल के रूप में हुई है।

बीती 1 सितंबर को दोपहर करीब 1:35 बजे रेलवे काटेवाला मोहम्मद हासिम ने जीआरपी थाना कासगंज में मुसाफिरखाने में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़े होने का मेमो दाखिल कराया था। पहचान के लिए शव को 72 घंटे के लिए मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया था। शुक्रवार को जब डॉक्टर और कर्मचारी पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू करने से पहले शव की सफाई कर रहे थे, तभी उनकी नजर मृतक के हाथ की कलाई पर पड़ी। कलाई पर मृतक का नाम व पता लिखा हुआ था। कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना जीआरपी पुलिस को दी, जिसके बाद परिजनों से संपर्क साधा गया। सूचना मिलते ही कासगंज पहुंचे मृतक के बड़े भाई दीपक ने शव की शिनाख्त विनोद के रूप में की। दीपक ने बताया कि गत 24 अगस्त को विनोद किसी बात से नाराज होकर घर से बिना बताए निकल गया था। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका था।

24 वर्षीय विनोद की मौत की सूचना जैसे ही उसके गांव पहुंची, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे पत्नी शिवानी, तीन वर्षीय मासूम बेटे तरुण और एक वर्षीय बेटी भूमि को रोता-बिलखता छोड़ गया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

आरबीएस पब्लिक स्कूल, मुरसान में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी का पर्व

मुरसान। आरबीएस पब्लिक स्कूल, मुरसान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक श्री रजनेश कुमार एवं श्रीमती सोनिया सिंह द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चे भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी की मनमोहक पोशाक पहनकर स्कूल पहुंचे। नटखट कान्हा और राधा के रूप में सजे बच्चों की सुंदर झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में बच्चों ने श्री कृष्ण के भजनों पर मनमोहक नृत्य (डांस) प्रस्तुत कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समां बांध दी। कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक श्री रजनेश कुमार ने बच्चों को जन्माष्टमी के पावन पर्व का महत्व समझाते हुए कहा कि हमें भगवान श्री कृष्ण के जीवन और उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं से सीख लेनी चाहिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजेश यादव ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए श्री कृष्ण के आदर्शों पर चलने और अपने जीवन में सत्य, प्रेम तथा कर्तव्यनिष्ठा को अपनाने के लिए प्रेरित किया। समारोह में विद्यालय का समस्त शिक्षक परिवार उत्साहपूर्वक शामिल रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मीनाक्षी वर्मा, शेफाली वार्ष्णेय, सुनीता चौधरी, ज्योति, नूतन सिंह, रेखा पहलावत, बीनू सिंह और मोरिशा दीक्षित सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

प्रोफेसर का ट्रेन में छूटा 70 हजार का टैब और बैग सकुशल लौटाया

- अलवर से हाथरस यात्रा के दौरान छूटा था सामान
- सीयूजी नंबर पर सूचना मिलते ही एक्शन में आई जीआरपी

❍ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

रेलवे स्टेशन व चलती ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी कासगंज पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए एक असिस्टेंट प्रोफेसर का ट्रेन में छूटा कीमती सामान सकुशल बरामद कर उन्हें सौंप दिया। पुलिस की इस त्वरित व संवेदनशील कार्रवाई की पीड़ित यात्री ने जमकर तारीफ की है।

राजस्थान के अलवर स्थित मॉडर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में असिस्टेंट प्रोफेसर मुस्तफा सरवर पुत्र सईद ने जीआरपी कासगंज के सीयूजी नंबर पर सूचना दी थी। उन्होंने बताया कि वह अलवर से हाथरस की यात्रा ट्रेन संख्या 55340 से कर रहे थे। यात्रा समाप्त होने पर उनका ट्रॉली बैग, जिसमें लगभग 70 हजार रुपये कीमत का सैमसंग टैब, कपड़े व अन्य व्यक्तिगत सामान था, ट्रेन में ही छूट गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष जीआरपी कासगंज कोमल कुंतल के निर्देशन में जीआरपी टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला।

प्लेटफार्म और ट्रेन एस्कॉर्ट ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए अल्प समय में ही संबंधित ट्रेन से ट्रॉली बैग और 70 हजार का सैमसंग टैब मय संपूर्ण सामान सकुशल ढूंढ निकाला। आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद सामान प्रोफेसर मुस्तफा सरवर के सुपुर्द कर दिया गया।

सामान की सकुशल बरामदगी करने में थानाध्यक्ष कोमल कुंतल, मुख्य आरक्षी विष्णु चाहर तथा आरक्षी प्रहलाद सिंह की प्रमुख भूमिका रही।

'वनडे में उनसे बेहतर मैंने किसी को नहीं देखा'

कोहली वनडे क्रिकेट में अपने देखे हुए सबसे बेहतरीन बल्लेबाज: ग्लेन मैक्सवेल

एजेंसी, मेलबर्न।

विराट कोहली की बल्लेबाजी ने दुनिया के कई दिग्गजों को प्रभावित किया है, लेकिन जब कोई ऐसा खिलाड़ी उनकी तारीफ करे जो खुद लंबे समय तक उनके खिलाफ मैदान पर उतरा हो, तो बात और खास हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अपने पूर्व आरसीबी साथी को लेकर ऐसा ही बयान दिया है। उन्होंने कोहली को वनडे क्रिकेट में अपने देखे हुए सबसे बेहतरीन बल्लेबाज का दर्जा दिया।

'वनडे में कोहली से बेहतर किसी को नहीं देखा'

ग्लेन मैक्सवेल ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ब्रैड हैडिन और एलिसा हीली के पॉडकास्ट 'कीपिंग इट क्रिकेट' पर अलग-अलग फॉर्मेट के अपने सर्वकालिक पसंदीदा खिलाड़ियों का चयन किया। वनडे क्रिकेट के लिए उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के विराट कोहली का नाम लिया।

मैक्सवेल ने कहा, 'वनडे क्रिकेट में मैंने जितना सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी देखा है, वह कोहली हैं। हमारे खिलाफ उन्होंने जो कुछ पारियां खेली हैं, उनमें से कुछ अविश्वसनीय रही हैं। उनके पास बस ज्यादा समय होता है। वह गेंद को मैदान में जहां चाहते हैं, वहां पहुंचाने में सक्षम हैं। वह बिल्कुल अलग स्तर के खिलाड़ी हैं।' मैक्सवेल और कोहली लंबे

समय तक आरसीबी में साथ भी खेले हैं। ऐसे में कोहली की बल्लेबाजी को करीब से देखने का उनका अनुभव इस तारीफ को और खास बनाता है।

आंकड़े भी बताते हैं क्यों खास हैं विराट

वनडे क्रिकेट में विराट कोहली के आंकड़े भी मैक्सवेल की बात को मजबूती देते हैं। उन्होंने अब तक 314 वनडे मैचों की 302 पारियों में 14,941 रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 58.59 है और उनके नाम 54 शतक और 79 अर्धशतक दर्ज हैं। खास तौर पर सफल रन चेज में कोहली का रिकॉर्ड असाधारण रहा है। उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए 111 मैचों की 105 पारियों में 6,235 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 89.07 रहा है, जिसमें 24 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं।

इस साल भी जारी है कोहली का जलवा

वनडे में इस साल भी कोहली का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने छह पारियों में 384 रन बनाए हैं और उनका औसत 64.00 है। उनका स्ट्राइक रेट 106 से ज्यादा रहा है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक भी लगाए हैं। यानी उम्र और अनुभव के इस पड़ाव पर भी कोहली का वनडे क्रिकेट में दबदबा कायम है। मैक्सवेल का बयान इसी निरंतरता की ओर इशारा करता है।

टी20 में मैक्सवेल की पसंद कौन?

मैक्सवेल ने टी20 क्रिकेट में वेस्टइंडीज के धाकड़ ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को अपना सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना। उन्होंने रसेल की ताकत, फील्डिंग और तेज गेंदबाजी क्षमता की जमकर तारीफ की। मैक्सवेल ने कहा, 'टी20 में आंद्रे रसेल जैसे खिलाड़ी को नजरअंदाज करना मुश्किल है। उनकी ताकत अविश्वसनीय है। अगर वह लगातार ऐसा करते रहें, तो उन्हें रोकना मुश्किल है। वह गेंद को बहुत जोर से और बहुत दूर मारते हैं। इसके साथ वह 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते थे और महत्वपूर्ण जगहों पर शानदार फील्डिंग भी करते थे। वह सचमुच एक परफेक्ट क्रिकेटर हैं।' रसेल ने टी20 क्रिकेट में 607 मैचों में 9,919 रन बनाए हैं और 535 विकेट भी लिए हैं। उनके नाम इस फॉर्मेट में 808 छक्के हैं।

टेस्ट में स्टीव स्मिथ बने मैक्सवेल की पसंद

टेस्ट क्रिकेट के लिए मैक्सवेल ने अपने ऑस्ट्रेलियाई साथी स्टीव स्मिथ को चुना। उन्होंने खास तौर पर 2017 के भारत दौरे को याद किया, जब स्मिथ ने शानदार बल्लेबाजी की थी। मैक्सवेल ने कहा, 'मैं 2017 में भारत के खिलाफ उस टेस्ट टीम का हिस्सा था। उन्होंने आठ पारियों में 499 रन बनाए थे और तीन शतक लगाए थे। उन्होंने कुछ शतक लगाए और ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी दूसरी ही दुनिया में बल्लेबाजी कर रहे हों। मुझे लगता है कि उन्होंने उस दौरे पर तीन शतक लगाए थे। वह शानदार थे। मुझे उस टीम का हिस्सा होने और उन्हें खेलते हुए देखने का मौका मिलने पर खुद को भाग्यशाली महसूस हुआ।' स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के लिए 125 टेस्ट में 10,920 रन बना चुके हैं। उनके नाम 37 शतक और 45 अर्धशतक हैं।

'डर कर खेल रहे पाकिस्तानी': इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में बदलाव पर भड़के गिलेस्पी

एजेंसी, सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज और पाकिस्तान के पूर्व कोच जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तानी टीम में भारी बदलाव को लेकर चयनकर्ता आकिब जावेद समेत टीम मैनेजमेंट पर हमला बोला है। इंग्लैंड दौरे पर गई पाकिस्तान टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से पीछे चल रही है। तीसरे टेस्ट से पहले टीम में भारी बदलाव किए गए और सात खिलाड़ियों को घर भेज दिया गया। इतना ही नहीं दो कोच भी हटाए गए। गिलेस्पी ने इसी को लेकर पाकिस्तान टीम पर निशाना साधा और कहा कि राष्ट्रीय टीम में बचे हुए खिलाड़ी अब डर के माहौल में खेल रहे हैं।

दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को अचानक रिप्लेस कर दिया। पाकिस्तान की व्हाइट बॉल टीम के कोच माइक हेसन को अचानक जिम्मेदारी सौंपी गई। इतना ही नहीं, हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैचों में शर्मनाक हार के बाद मोहम्मद रिजवान, इमाम उल हक, सलमान अली आगा समेत सात खिलाड़ी घर भेज दिए गए।

'चयन समिति के पास कोई रणनीति नहीं'

- गिलेस्पी ने 2024 में पाकिस्तान टीम की कोचिंग की थी। उनके कार्यकाल में पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से जीत भी हासिल की थी। गिलेस्पी ने बाद में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि पीसीबी उन्हें कोई फैसला नहीं लेने देता और मन मुताबिक काम करता है। बाद में उन्होंने पीसीबी पर सैलरी नहीं देने का भी आरोप लगाया था। गिलेस्पी ने अब पाकिस्तान टीम में मौजूदा बवाल पर अपनी राय रखी है और कहा है कि खिलाड़ियों को अचानक बाहर करना चयन समिति की रणनीतिक दिशा की कमी को दिखाता है।
- गिलेस्पी ने कहा, 'मुझे खिलाड़ियों के लिए बुरा लग रहा है, क्योंकि यही इन लोगों की आजीविका है। बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि वे डर के साथ खेल रहे हैं। सलमान अली आगा इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करने से दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाते हैं और तीसरे टेस्ट से पहले ही उन्हें घर भेज दिया जाता है।'
- उन्होंने आगे कहा, 'यह कैसे काम करता है? यह बिल्कुल स्पष्ट है कि उनके पास कोई चयन रणनीति नहीं है, खासकर आकिब जावेद के नेतृत्व में। वे अपना फैसला उतनी ही तेजी से बदलते हैं, जितनी तेजी से कपड़े बदलते हैं, हर दिन।' गिलेस्पी के इस बयान को शुक्रवार को द ऑस्ट्रेलियन ने प्रकाशित किया। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी ने पाकिस्तान क्रिकेट में मौजूदा हालात पर खुलकर नाराजगी जताई।

गिलेस्पी ने पुराने विवाद पर भी दिया जवाब

गिलेस्पी ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि आकिब जावेद अब भी उन्हें और पूर्व कोच गैरी कर्स्टन को पाकिस्तान क्रिकेट की मौजूदा स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जबकि दोनों अब टीम के साथ नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'आकिब जावेद हाल ही में सामने आए और उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट में जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए गैरी कर्स्टन और मुझे जिम्मेदार ठहराया। आकिब पिछले दो साल से चयन समिति के अध्यक्ष हैं। हम तो वहां थे भी नहीं। फिर भी किसी तरह वह दावा करते हैं कि यह हमारी गलती है। इसका कोई मतलब निकालकर दिखाइए। मुझे लगता है कि जावेद को खुद आईने में देखना

मनोरंजन

'द ट्रेटर्स 2' की जीत पर क्रिस्टल डिसूजा ने खोला राज, बोलीं- 'ज्यादा सफाई देती तो पकड़ी जाती'

'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरूआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, "'ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरूआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है।"

क्रिस्टल के कहा, "इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई।"

जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घेरे' के दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे। फिनाले तक मल्लिका शेरावत, साहिल सलाथिया, दलीप ताहिल, शालिनी पासी, क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ही खेल में टिके रहे। इन सभी को लगा कि उन्होंने पैलेस के सबसे बड़े धोखे को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन फिनाले में क्रिस्टल और रिदा ने खुद को ट्रेटर बताकर पूरे खेल का सबसे बड़ा राज खोल दिया। दोनों की यह जोड़ी आखिरकार जीत तक पहुंची।

रिदा थराना ने भी अपनी जीत को लेकर कहा, "अगर किसी ने मुझे पहले दिन बताया होता कि मैं इस गेम को एक ट्रेटर के तौर पर खत्म करूंगी, तो मैं हंस पड़ती। मैं शुरूआत में इनोसेंट प्लेयर बनकर खेलना चाहती थीं, क्योंकि मुझे लगता था कि मैं झूठ नहीं बोल सकतीं। लेकिन बाद में पूरा खेल बदल गया।"

रिदा ने कहा, "ट्रेटर बनने के बाद मेरे पास फिनाले तक पहुंचने की प्लानिंग थी, लेकिन सबसे मुश्किल हिस्सा उन लोगों के खिलाफ खेलना था, जिनकी मैं सच में परवाह करती थीं। मैंने इनोसेंट प्लेयर के तौर पर भी अपना पूरा प्रयास किया और ट्रेटर बनने के बाद भी पूरी ताकत से खेलीं। मैंने जीत का फैसला किस्मत पर छोड़ दिया। मैं पैलेस में इनोसेंट प्लेयर बनकर पहुंचीं, ट्रेटर बनीं और आखिरकार विजेता बनकर बाहर निकलीं।"

शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल, मेरी भी अपनी पहचान है

पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों 'बिग बॉस-20' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे। जब आईएएनएस ने अभिनेत्री से बिग बॉस के घर जाने की वजह पूछी तो लवप्रीत गिल ने बताया कि न जाने की भी कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, ₹मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं।₹ अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा, ₹मैं वहां गेम खेलने जा रही हूं और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी।₹ शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है।"

आईएएनएस ने अभिनेत्री लव प्रीत गिल से एक और सवाल पूछा, "आप बिग बॉस में पंजाबी एक्ट्रेस के तौर पर एंट्री करेंगी। शहनाज गिल से तुलना के बारे में आप क्या सोचती हैं?"

अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, "वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है। मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें।" बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

कृति की रहस्यमयी इंस्टाग्राम स्टोरीज ने बढ़ाई उत्सुकता, क्या होने वाला है कोई बड़ा ऐलान?

कृति खरबंदा ने अपनी हालिया इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अभिनेत्री ने एक के बाद एक कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि शायद वह जल्द ही किसी खास घोषणा की तैयारी में हैं। सबसे पहले कृति ने अपनी एक क्लोज-अप सेल्फी साझा की है। इसके बाद उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें एक गिलास में ड्रिंक डाली जाती हुई दिखाई दे रही है और उसके साथ एक लाल रंग की नोटबुक भी नजर आ रही है। इस तस्वीर पर लिखा है, "कुछ खास पक रहा है"। फिलहाल इस दिलचस्प संदेश ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। इसी के साथ इस रहस्य को और गहरा करते हुए कृति ने एक और तस्वीर साझा की है, जिसमें हाथ से लिखे नोट की तरह एक संदेश लिखा है, "मैं अभी खुद पर काम कर रही हूँ।ह्व इन साधारण से लगने वाले इन शब्दों ने भी कई तरह की अटकलों को जन्म दे दिया है।

हालांकि कृति ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि आखिर वह किस ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन उनकी स्टोरीज का क्रम यह जरूर संकेत दे रहा है कि उनके जीवन में कुछ नया होने वाला है। यह किसी नए प्रोजेक्ट की घोषणा हो सकती है, किसी पेशेवर उपलब्धि से जुड़ी खबर हो सकती है या फिर कुछ और खास।

फिलहाल कृति के इन रहस्यमयी अपडेट्स ने फैंस को अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया है। अब सभी को उस पल का इंतजार है, जब अभिनेत्री खुद इस सस्पेंस से पर्दा उठाएंगी।

दुआ लिपा ने अपने समर रिचुअल का खुलासा किया

सिंगर-सॉन्गराइटर दुआ लिपा अपने पसंदीदा आइलैंड पर छुट्टियां बिताकर बेहद खुश और सुकून महसूस कर रही हैं। शुक्रवार को सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम पर छुट्टियों की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। तस्वीरों और वीडियो में, वह अपने करीबी लोगों के साथ मजेदार खाना खाते हुए और छुट्टियों का आनंद लेते हुए दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "अपने पसंदीदा आइलैंड पर कम से कम एक बार जाए बिना गर्मी का मौसम अधूरा है।" इस साल की शुरूआत में शादी के बाद से ही यह सिंगर शानदार समय बिता रही हैं। उन्होंने लगभग दो साल तक डेटिंग करने के बाद ब्रिटिश एक्टर कैलम टर्नर से शादी की। इस कपल के बीच रोमांस की खबरें पहली बार 2024 की शुरूआत में उड़ी थीं और उसी साल बाद में उन्होंने अपने रिश्ते को सबके सामने जाहिर किया। लिपा ने जून 2025 में अपनी सगाई की पुष्टि की। कपल ने 31 मई, 2026 को लंदन के ओल्ड मैरीलेबोन टाउन हॉल में करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में एक निजी सिविल सेरेमनी की। इसके बाद 6 जून को सिसिली में एक शानदार जश्न मनाया गया। इटैलियन सेरेमनी के लिए सिंगर ने खास तौर पर तैयार किया गया शनेल ऑट कउचर गाउन पहना था, जबकि खबरों के मुताबिक जश्न में कई सेलिब्रिटी मेहमान भी शामिल हुए थे। टर्नर ने हाल ही में अपनी शादी को अपनी जिंदगी का 'सबसे खूबसूरत दिन' बताया। इससे पहले, दुआ लिपा ने एल्टन जॉन के साथ अपने कोलैबोरेशन 'कोल्ड हार्ट' के 5 साल पूरे होने का जश्न मनाया, जिसे 5.3 बिलियन बार स्ट्रीम किया गया था। एक जॉइंट पोस्ट में, एल्टन जॉन और दुआ लिपा ने इस पल को सेलिब्रेट करते हुए साथ में कई तस्वीरें शेयर कीं। यह गाना जॉन और बर्नी टौपिन के साथ-साथ एंड्रयू मीचम, डीन मेरेडिथ, निकोलस लिटिलमोर, पीटर मेस और सैम लिटिलमोर द्वारा लिखे गए चार गानों का मिश्रण है। इसका प्रोडक्शन बाद के तीन लोगों ने डांस म्यूजिक ग्रुप 'प्नाउ' के हिस्से के तौर पर पूरा किया था।